تَبَٰرَكَ ٱسْمُ رَبِّكَ ذِى ٱلْجَلَٰلِ

وَٱلْإِكْرَامِ

Tabaarak;Allaahu;

তবারক;আল্লাহু;

తబారక;అల్లాహు;

तबारक;अल्लाहु;

تبارك؛الله؛

✿✮✿✮✿✮
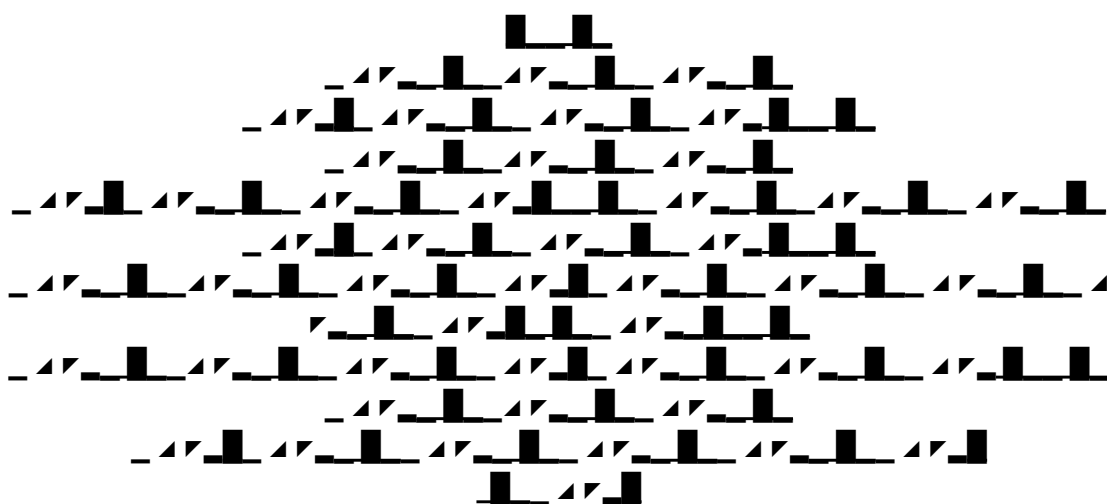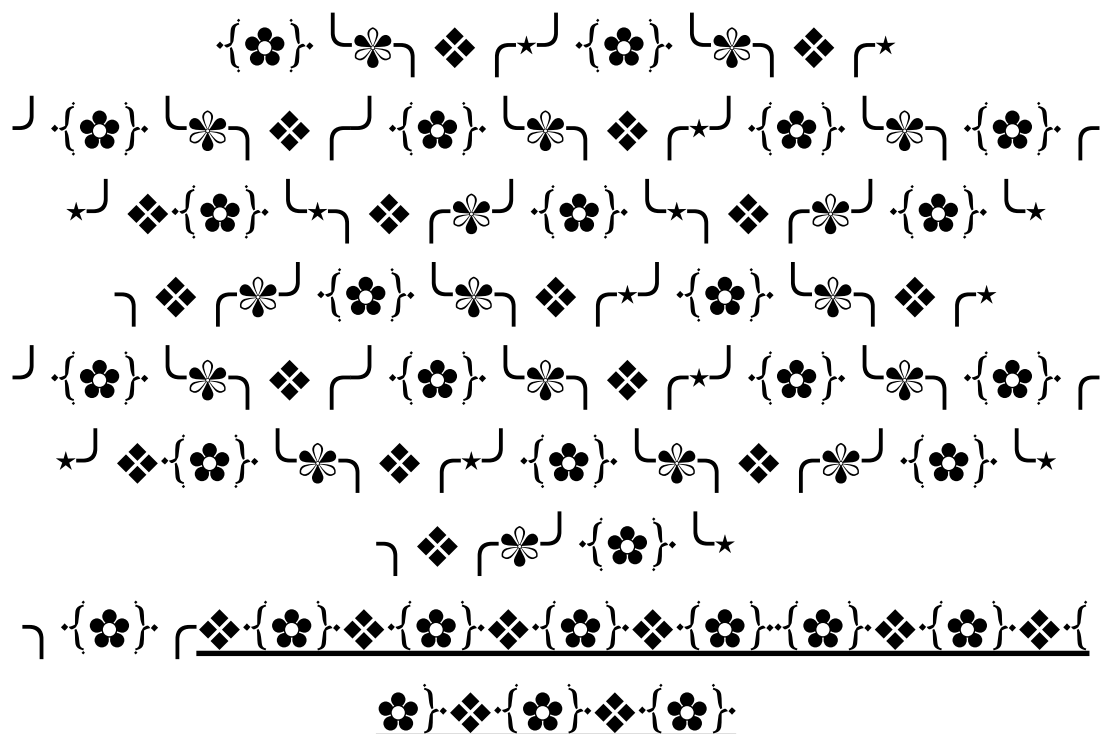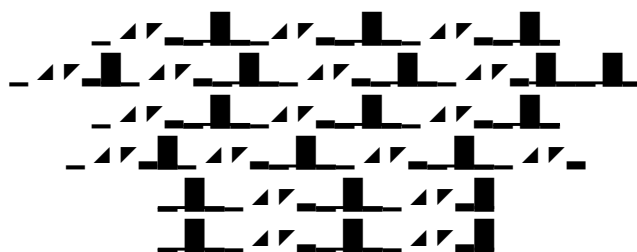
✿✮✿Navigator✿✮✿✮✿✮✿✮✿

المحتويات::: CONTENTS...FOLIO...4

✿✯✿✯✿✯✿✯✿✿✯✿✯✿✯✿✯✿

Ar-Rahmaan (55:78)

بسم الله الرحمن الرحيم

تَبَٰرَكَ ٱسْمُ رَبِّكَ ذِى ٱلْجَلَٰلِ وَٱلْإِكْرَامِ

تیرے رب تعالیٰ ~~پروردگار~~ کا نام
بابرکت ہے جو عزت وجلال والا ہے

Blessed be the Name of your Lord (Allah ﷻ), the Owner of Majesty and Honour.

কত কল্যাণময় তোমার প্রভুর নাম, তিনি অপার মহিমার ও বিপুল করুণার অধিকারী।

多福哉，你具尊嚴和大德的主的名號！

(ऐ रसूल) तुम्हारा رب سبحانه ~~परवरदिगार~~ जो साहिबे जलाल व करामत है उसी का नाम बड़ा बाबरकत है
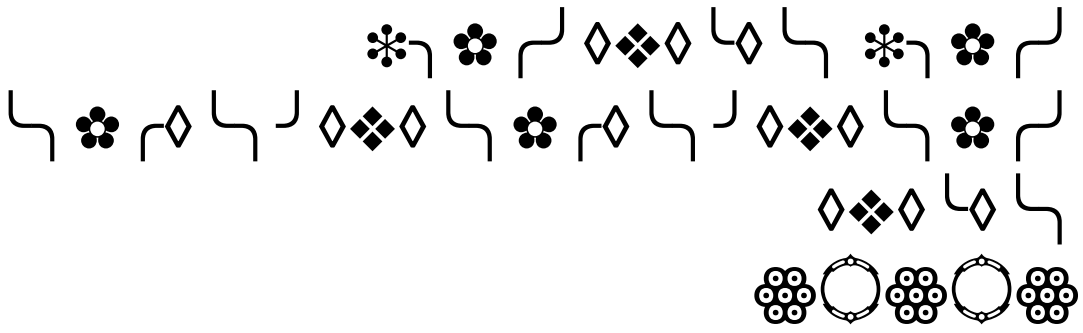
/55/78

╰ ✻╮ ✿ ╭◊ ╰╮ ╯ ◊❖◊ ╰ ✻╮ ✿ ╭◊ ╰╮ ✻╯ ◊❖◊ ╰
✻╮ ✿ ╭╯ ◊❖◊ ╰◊ ╰ ✻ ✻╮ ╮ ✿ ╭◊ ╰ ✻╮ अल्लाहू से
खौफ खा, আল্লাহের খউফ রখ ,Be A Khaif Lillahi,ஜுஜஃ
ஜஜ,کا مالك کها خوف✻╯ ╰╮ ✿ ╭◊ ╰
✻╮ ╯ ◊❖◊ ╰◊ ╰╮ ✻╮ ✿ ╭ ✻╯ ◊❖◊ ╰

Al-Furqaan (25:1)

تَبَارَكَ ٱلَّذِى نَزَّلَ ٱلْفُرْقَانَ عَلَىٰ عَبْدِهِۦ لِيَكُونَ لِلْعَٰلَمِينَ نَذِيرًا

بہت بابرکت ہے وہ اللہ تعالیٰ جس نے اپنے بندے پر فرقان اتارا تاکہ وہ تمام لوگوں کے لئے آگاہ کرنے والا بن جائے

Blessed be He ﷻ Who sent down the criterion (of right and wrong, i.e. this Quran) to His ﷻ slave (Muhammad SAW) that he may be a warner to the 'Alamin (mankind and jinns).

মহামহিম তিনিﷲﷻ যিনি তাঁর দাসের কাছে অবতারণ করেছেন এই ফুরক্কান যেন তিনিﷲﷻ বিশ্বমানবের জন্য একজন সতর্ককারী হতে পারেন।

聖潔哉真主！他降示準則給他的僕人，以便他做全世界的警告者。

(ख़ुदा) ﷲﷻबहुत बाबरकत है जिसने अपने बन्दे (मोहम्मद) पर कुरान नाज़िल किया ताकि सारे जहॉन के लिए (ख़ुदा ﷲﷻके अज़ाब से) डराने वाला हो

/25/1

Al-Furqaan (25:2)

ٱلَّذِي لَهُۥ مُلۡكُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلۡأَرۡضِ وَلَمۡ يَتَّخِذۡ وَلَدٗا وَلَمۡ يَكُن لَّهُۥ شَرِيكٞ فِي ٱلۡمُلۡكِ وَخَلَقَ كُلَّ شَيۡءٖ فَقَدَّرَهُۥ تَقۡدِيرٗا

اسی اللہ کی سلطنت ہے آسمانوں اور

زمین کی اور وہ کوئی اولاد نہیں
نہ اس کی سلطنت میں کوئی ،رکھتا
اس کا ساجھی ہے اور ہر چیز کو اس
نے پیدا کرکے ایک مناسب اندازہ ٹھہرا
دیا ہے

He ﷻ to Whom belongs the dominion of the heavens and the earth, and Who has begotten no son (children or offspring) and for Whom there is no partner in the dominion. He ﷻ has created everything, and has measured it exactly according to its due measurements.

তিনিইاللهﷻ -- মহাকাশমন্ডলী ও পৃথিবীর সার্বভৌমত্ব তাঁরই, আর তিনি কোনো সন্তান গ্রহণ করেন নি, আর সেই সাম্রাজ্যে তাঁর কোনো শরিকও নেই, আর তিনিইاللهﷻ সব-কিছু সৃষ্টি করেছেন, তারপর তাকে বিশেষ পরিমাপে পরিমিত রূপ দিয়েছেন।

天地的國土是他的；他沒有收養兒子，在國土中沒有伙伴。他創造萬物，並加以精密的注定。

वह ~~खुदा~~ الله ﷻ कि सारे आसमान व ज़मीन की बादशाहत उसी की है और उसने (किसी को) न अपना लड़का बनाया और न सल्तनत में उसका कोई शरीक है और हर चीज़ को (उसी ने بنایا ~~पैदा किया~~) फिर उस अन्दाज़े से दुरुस्त किया

/25/2

❀◯❀◯❀

Eye Opener for

Mausolian_The Grave devoted

Al-Furqaan (25:3)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱتَّخَذُوا۟ مِن دُونِهِۦٓ ءَالِهَةً لَّا يَخْلُقُونَ شَيْـًٔا وَهُمْ يُخْلَقُونَ وَلَا يَمْلِكُونَ لِأَنفُسِهِمْ ضَرًّا وَلَا نَفْعًا وَلَا يَمْلِكُونَ مَوْتًا وَلَا حَيَوٰةً وَلَا نُشُورًا

ان لوگوں نے اللہ کے سوا جنہیں اپنے
معبود ٹھہرا رکھے ہیں وہ کسی چیز
کو پیدا نہیں کرسکتے بلکہ وہ خود
یہ تو اپنی جان ،پیدا کئے جاتے ہیں
کے نقصان نفع کا بھی اختیارنہیں
رکھتے اور نہ موت وحیات کے اور نہ
دوبارہ جی اٹھنے کے وہ مالک ہیں

Yet they have taken besides Him ﷻ other aliha (gods) that created nothing but are themselves created, and possess neither hurt nor benefit for themselves, and possess no power (of causing) death, nor (of giving) life, nor of raising the dead.

তবুও তারা তাঁاللهﷻকে ছেড়ে দিয়ে অন্য উপাস্যদের গ্রহণ করেছে যারা কিছুই সৃষ্টি করে না,

বরং তাদের নিজেদেরকেই সৃষ্টি করা হয়েছে, আর তারা নিজেদের জন্য অনিষ্ট করতে সামর্থ্য রাখে না, আর উপকার করতেও নয়, আর তারা মৃত্যু ঘটাতে ক্ষমতা রাখে না, আর জীবন দিতেও নয়, কিংবা পুনরুত্থানের ক্ষেত্রেও নয়।

他們除真主外曾崇拜許多神靈，那些神靈不能創造任何物，他們自己卻是被造的；他們不能主持自身的禍福，也不能主持（他人的）生死和復活。

और लोगों ने उसﷲﷻके सिवा दूसरे दूसरे माबूद बना रखें हैं जो कुछ भी पैदा नहीं कर सकते बल्कि वह खुद दूसरे के بنایے ~~पैदा किए~~ हुए हैं और वह खुद अपने लिए भी न नुक़सान पर क़ाबू रखते हैं न नफा पर और न मौत ही पर एख़्तियार रखते हैं और न ज़िन्दगी पर और न मरने बाद जी उठने पर

/25/3

تَبَارَكَ ٱلَّذِيٓ إِن شَآءَ جَعَلَ لَكَ خَيْرًا مِّن
ذَٰلِكَ جَنَّٰتٍ تَجْرِي مِن تَحْتِهَا ٱلْأَنْهَٰرُ
وَيَجْعَل لَّكَ قُصُورًۢا

اللّٰہ تعالیٰ تو ایسا بابرکت ہے کہ اگر
چاہے تو آپ کو بہت سے ایسے باغات
عنایت فرما دے جو ان کے کہے ہوئے
باغ سے بہت ہی بہتر ہوں جن کے
نیچے نہریں لہریں لے رہی ہوں اور آپ
محل بھی دے (پختہ) کو بہت سے
دے

Blessed be He ﷻ Who, if He ﷻ will, will assign you better than (all) that, - Gardens under which rivers flow (Paradise) and will assign you palaces (i.e. in Paradise).

মহামহিম তিনিﷻ যিনি ইচ্ছা করলে তোমার জন্য এর চেয়েও শ্রেষ্ঠ বস্তু তৈরি করতে পারেন -- বাগানসমূহ যাদের নিচ দিয়ে বয়ে চলে ঝরনারাজি, আর তোমার জন্য তৈরি করতে পারেন প্রাসাদ-সমূহ।

聖潔哉真主！如果他意欲，他要賞賜你比那個更好的，即下臨諸河的一些果園，他要賞賜你一些大廈。

~~खुदा~~ अल्लाहूﷻ सुबुहानाहू तो ऐसा बारबरकत है कि अगर चाहे तो (एक बाग़ क्या चीज़ है) इससे बेहतर बहुतेरे ऐसे बाग़ात तुम्हारे वास्ते तयार ~~पैदा~~ करे जिन के नीचे नहरें जारी हों और (बाग़ात के अलावा उनमें) तुम्हारे वास्ते महल बना दे

/25/10

Al-Furqaan (25:11)

بَلْ كَذَّبُوا۟ بِٱلسَّاعَةِ وَأَعْتَدْنَا لِمَن كَذَّبَ بِٱلسَّاعَةِ سَعِيرًا

بات یہ ہے کہ یہ لوگ قیامت کو جھوٹ سمجھتے ہیں اور قیامت کے جھٹلانے والوں کے لئے ہم نے بھڑکتی ہوئی آگ تیار کر رکھی ہے

Nay, they deny the Hour (the Day of Resurrection), and for those who deny the Hour, We ﷻ have prepared a flaming Fire (i.e. Hell).

তথাপি তারা ঘড়িঘন্টাকে অস্বীকার করে, আর যে কেউ ঘড়িঘন্টাকে মিথ্যা বলে তার জন্য আমরাﷻ তৈরি রেখেছি এক জ্বলন্ত আগুন।

不然，他們否認復活時，我已為否認復活時者預備烈火。

(ये सब कुछ नहीं) बल्कि (सच यूँ है कि) उन लोगों ने क़यामत ही को झूठ समझा है और जिस शख्स ने क़यामत को झूठ समझा उसके लिए हमने ﷻ जहन्नुम को (दहका के) तैयार कर रखा है

/25/11

Al-Furqaan (25:12)

إِذَا رَأَتْهُم مِّن مَّكَانٍۭ بَعِيدٍ سَمِعُوا۟ لَهَا تَغَيُّظًا وَزَفِيرًا

جب وہ انہیں دور سے دیکھے گی تو یہ اس کا غصے سے بپھرنا اور دھاڑنا سنیں گے

When it (Hell) sees them from a far place, they will hear its raging and its roaring.

যখন এটি দূর জায়গা থেকে তাদের দেখতে পাবে তখন থেকেই তারা এর ক্রুদ্ধ গর্জন ও হুংকার শুনতে পাবে।

當它從遠處看見他們的時候，他們聽見爆裂聲和太息聲【何解？】。

जब जहन्नुम इन लोगों को दूर से दखेगी तो (जोश खाएगी और) ये लोग उसके जोश व ख़रोश की आवाज़ सुनेंगें

/25/12

Al-Furqaan (25:13)

وَإِذَآ أُلْقُوا۟ مِنْهَا مَكَانًا ضَيِّقًا مُّقَرَّنِينَ دَعَوْا۟ هُنَالِكَ ثُبُورًا

اور جب یہ جہنم کی کسی تنگ جگہ

میں مشکیں کس کر پھینک دیئے جائیں گے تو وہاں اپنے لئے موت ہی موت پکاریں گے

And when they shall be thrown into a narrow place thereof, chained together, they will exclaim therein for destruction.

আর যখন তাদের শৃঙ্খলিত অবস্থায় এর মধ্যের এক সংকীর্ণ স্থানে নিক্ষেপ করা হবে তখন তারা সেইখানেই ধ্বংস হওয়া আহ্বান করবে।

當他們被枷鎖著投入烈火中一個狹隘地方的時候，他們在那裡哀號求死。

और जब ये लोग ज़ज़ीरों से जकड़कर उसकी किसी तंग जगह मे झोंक दिए जाएँगे तो उस वक्त मौत को पुकारेंगे

/25/13

Al-Furqaan (25:14)

لَّا تَدۡعُواْ ٱلۡيَوۡمَ ثُبُورًا وَٰحِدًا وَٱدۡعُواْ ثُبُورًا كَثِيرًا

Al-Furqaan (25:14)

(ان سے کہا جائے گا) آج ایک ہی موت کو نہ پکارو بلکہ بہت سی اموات کو پکارو

Exclaim not today for one destruction, but yearn for many destructions.

"আজকের দিনে তোমরা একবারের ধ্বংসের জন্য কামনা করো না, বরং বহুবার ধ্বংস হওয়ার দোয়া করতে থাক!"

今天你們不要哀求一死，你們當哀求多死。

(उस वक्त उनसे कहा जाएगा कि) आज एक मौत को

न पुकारो बल्कि बहुतेरी मौतों को पुकारो (मगर इससे भी कुछ होने वाला नहीं)
/25/14

❁◯❁◯❁

Al-Furqaan (25:15)

قُلْ أَذَٰلِكَ خَيْرٌ أَمْ جَنَّةُ ٱلْخُلْدِ ٱلَّتِى وُعِدَ ٱلْمُتَّقُونَ كَانَتْ لَهُمْ جَزَآءً وَمَصِيرًا

آپ کہہ دیجیئے کہ کیا یہ بہتر ہے یا وہ ہمیشگی والی جنت جس کا وعدہ جو ان کا ،پرہیزگاروں سے کیا گیا ہے بدلہ ہے اور ان کے لوٹنے کی اصلی جگہ ہے۰

Say: (O Muhammad SAW) "Is that (torment)

better or the Paradise of Eternity promised to the Muttaqun (pious and righteous persons - see V. 2:2)?" It will be theirs as a reward and as a final destination.

তুমি *sas*বলো -- "এইটি কি ভাল, না চিরস্থায়ীস্বর্গোদ্যান যা ওয়াদা করা হয়েছে ধর্মনিষ্ঠদের জন্য?" তা হচ্ছে তাদের জন্য পুরস্কার ও গন্তব্যস্থল।

你說：「這是更好的呢？還是應許敬畏者永居其中的樂園更好呢？它是他們所有的報酬和歸宿，

(ऐ रसूलsas) तुम पूछो तो कि जहन्नुम बेहतर है या हमेशा रहने का बाग़ (बेहश्त) जिसका परहेज़गारों से वायदा किया गया है कि वह उन (के आमाल) का सिला होगा और आख़िरी ठिकाना

/25/15

Al-Furqaan (25:16)

لَهُمْ فِيهَا مَا يَشَآءُونَ خَٰلِدِينَ كَانَ عَلَىٰ رَبِّكَ وَعْدًا مَّسْـُٔولًا

وہ جو چاہیں گے ان کے لئے وہاں ہمیشہ رہنے والے۔ یہ تو ،موجود ہوگا آپ کے رب کے ذمے وعدہ ہے جو قابل طلب ہے

For them there will be therein all that they desire, and they will abide (there forever). It is a promise binding upon your Lord ﷻ that must be fulfilled.

সেখানে তাদের জন্য রয়েছে যা তারা কামনা করে, তারা স্থায়ীভাবে অবস্থান করবে। এইটি তোমার প্রভুরﷻ উপরে ন্যস্ত ওয়াদা যা প্রার্থিত হবার যোগ্য।

他們在樂園中得享受自己所意欲的（幸福）。他們將永居其中，這是可以向你的主要求實踐的諾言。

जिस चीज़ की ख्वाहिश करेंगें उनके लिए वहाँ मौजूद होगी (और) वह हमेशा (उसी हाल में) रहेंगें ये तुम्हारे ~~परवरदिगार~~ रब ﷻपर एक लाज़िमी और माँगा हुआ वायदा है

/25/16

Al-Furqaan (25:61)

تَبَارَكَ ٱلَّذِي جَعَلَ فِي ٱلسَّمَآءِ بُرُوجًا وَجَعَلَ فِيهَا سِرَٰجًا وَقَمَرًا مُّنِيرًا

بابرکت ہے وہ جس نے آسمان میں برج بنائے اور اس میں آفتاب بنایا اور منور مہتاب بھی

Blessed be He ﷻ Who has placed in the heaven big stars, and has placed therein a great lamp (sun), and a moon giving light.

মহামহিম তিনি ﷻ যিনি মহাকাশে তারকারাজি সৃষ্টি করেছেন, আর তাতে বানিয়েছেন এক প্রদীপ ও এক চন্দ্র -- দীপ্তিদায়ক।

聖潔哉真主！他把許多宮造在天上，又造明燈和燦爛的月亮。

बहुत बाबरकत है वह ~~ख़ुदा~~ रब ﷻ जिसने आसमान में बुर्ज बनाए और उन बुर्जों में (आफ़ताब का) चिराग़ और जगमगाता चाँद बनाया

r/25/61

Al-Furqaan (25:62)

وَهُوَ ٱلَّذِي جَعَلَ ٱلَّيْلَ وَٱلنَّهَارَ خِلْفَةً لِّمَنْ

أَرَادَ أَن يَذَّكَّرَ أَوْ أَرَادَ شُكُورًا

اور اسی نے رات اور دن کو ایک
دوسرے کے پیچھے آنے جانے والا بنایا۔
اس شخص کی نصیحت کے لیے جو
نصیحت حاصل کرنے یا شکر گزاری
کرنے کا ارادہ رکھتا ہو

And He ﷻ it is Who has put the night and the day in succession, for such who desires to remember or desires to show his gratitude.

আর তিনিﷻই সেইজন যিনি রাত ও দিনকে বানিয়েছেন বিবর্তনক্রম তার জন্য যে চায় স্মরণ করতে, অথবা যে চায় কৃতজ্ঞতা জানাতে।

他就是為欲覺悟或欲感謝者，而使晝夜更迭的。

और वहीﷻ तो वह रब (ख़ुदा) है जिसने रात और दिन (एक) को (एक का) जानशीन बनाया (ये) उस के (समझने के) लिए है जो नसीहत हासिल करना चाहे या शुक्र गुज़ारी का इरादा करें

/25/62

❉❉╯ ◊╯ ◊❖◊ ╰❉❉╯ ◊❉❉╯ ◊ ╰╮╭ ✿ ╭❉❉╯ ◊❉
❉╯ ◊❉❉╯ ◊❉❉╯ ◊❖◊ ╰╮ ✿ ╭❉❉╯ ◊╯ ◊❖◊ ╰◊अ

ल्लाहू से खौफ खा, আল্লাহের খউফ রখ ,Be A Khaif

Lillahi,ఖూఇఫ్ ఐఏో, خوف کھا مالك

ک ╰╮ ❉╮ ✿ ╭❉❉╯ ◊╯ ❉❉╯ ◊❉❉╯ ◊❉❉ ╰╮ ✿ ╭◊
╰┴╯ ◊╯ ✾ ╰◊╮ ❉ ╭★╯ ✾ ╰◊╮ ❉ ╭★
╯ ✾ ╰◊╮ ❉ ╭

❀◯❀◯❀

Al-Ghaafir (40:64)

بسم الله الرحمن الرحيم[1]

ٱللَّهُ ٱلَّذِي جَعَلَ لَكُمُ ٱلۡأَرۡضَ قَرَارٗا

وَٱلسَّمَآءَ بِنَآءٗ وَصَوَّرَكُمۡ فَأَحۡسَنَ صُوَرَكُمۡ

وَرَزَقَكُم مِّنَ ٱلطَّيِّبَٰتِۚ ذَٰلِكُمُ ٱللَّهُ رَبُّكُمۡۖ

अल्लाहू से खौफ खा, আল্লাহের খউফ রখ ,Be A Khaif Lillahi,ఖూఇఫ్ ఐఏో, خوف کنا مالك کا

فَتَبَارَكَ ٱللَّهُ رَبُّ ٱلْعَٰلَمِينَ
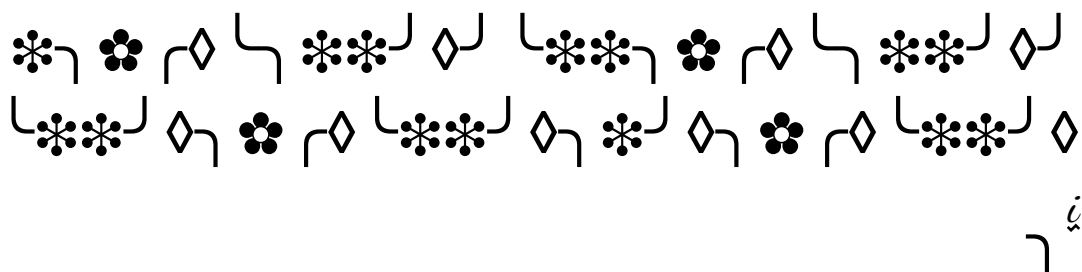
اللّٰہ ہی ہے جس نے تمہارے لیے زمین
کو ٹھہرنے کی جگہ اور آسمان کو
چھت بنا دیا اور تمہاری صورتیں
بنائیں اور بہت اچھی بنائیں اور
تمہیں عمدہ عمدہ چیزیں کھانے کو
عطا فرمائیں، یہی اللّٰہ تمہارا پروردگار
ہے، پس بہت ہی برکتوں والا اللّٰہ ہے
سارے جہان کا پرورش کرنے والا

Allah ﷻ, it is He Who has made for you the earth as a dwelling place and the sky as a canopy, and has given you shape and made your

shapes good (looking) and has provided you with good things. That is Allahﷻ, your Lord, then blessed be Allahﷻ, the Lord of the 'Alamin (mankind, jinns and all that exists).

আল্লাহ্ﷻই তিনি যিনি তোমাদের জন্য পৃথিবীকে বাসোপযোগী বানিয়েছেন আর আকাশকে একটি চাঁদোয়া, আর তিনি তোমাদের আকৃতি গঠন করেছেন, সুতরাং তিনি তোমাদের আকৃতি কত সুন্দর করেছেন/ আর তিনি তোমাদের জীবিকা দিয়েছেন উৎকৃষ্ট বস্তু থেকে। এইই হচ্ছেন আল্লাহ্ﷻ -- তোমাদের প্রভু। অতএব সকল মহিমার পাত্র আল্লাহ্ﷻ -- বিশ্বজগতের প্রভু।

真主為你們以地面為居處，以天空為房屋，他以形象賦予你們，而使你們的形象優美，他供給你們佳美的食品。那是真主，你們的主。多福哉真主！——全世界的主！

अल्लाहﷻ ही तो है जिसने तुम्हारे वास्ते ज़मीन को ठहरने की जगह और आसमान को छत बनाया और उसी ने तुम्हारी सूरतें बनायीं तो अच्छी सूरतें बनायीं

और उसी ने तुम्हें साफ सुथरी चीज़ें खाने को दीं यही अल्लाहﷻ तो तुम्हाराﷻ رب ~~परवरदिगार~~ है तो अल्लाहﷻ~~ख़ुदा~~ बहुत ही मुतबर्रिक है जो सारे जहाँन का पालने वाला है

/40/64

۞〇۞〇۞

Al-Ghaafir (40:65)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

هُوَ ٱلۡحَيُّ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ فَٱدۡعُوهُ مُخۡلِصِينَ لَهُ ٱلدِّينَۗ ٱلۡحَمۡدُ لِلَّهِ رَبِّ ٱلۡعَٰلَمِينَ

وہ زندہ ہے جس کے سوا کوئی معبود نہیں پس تم خالص اس کی عبادت کرتے ہوئے اسے پکارو، تمام خوبیاں اللہ ہی کے لیے ہیں جو تمام جہانوں

کا رب ہے

He ﷻis the Ever Living, La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but He), so invoke Him making your worship pure for Him Alone (by worshipping Himﷻ Alone, and none else, and by doing righteous deeds sincerely for Allah{{'s sake only, and not to show off, and not to set up rivals with Him in worship). All the praises and thanks be to Allahﷻ, the Lord of the 'Alamin (mankind, jinns and all that exists).

তিনিﷻ সদাজীবিত, তিনি ছাড়া অন্য উপাস্য নেই সুতরাং ধর্মে তাঁর প্রতি একনিষ্ঠচিত্তে তাঁকেই ডাকো। সমস্ত প্রশংসা আল্লাহ্ﷻর যিনি বিশ্বজগতের প্রভু।

他確是永生的，除他外，絕無應受崇拜的，故你們當祈禱他，誠心順服他。一切讚頌，全歸真主——全世界的主！

वहीﷲ (हमेशा) ज़िन्दा है और उसके सिवा कोई माबूद नहीं तो निरी खरी उसी की इबादत करके उसी से ये दुआ माँगो, सब तारीफ ﷲ ~~ख़ुदा~~ ही को सज़ावार है और जो सारे जहाँन का पालने वाला है /40/65

❀○❀○❀

Al-Ghaafir (40:66)

قُلْ إِنِّى نُهِيتُ أَنْ أَعْبُدَ ٱلَّذِينَ تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ لَمَّا جَآءَنِىَ ٱلْبَيِّنَٰتُ مِن رَّبِّى وَأُمِرْتُ أَنْ أُسْلِمَ لِرَبِّ ٱلْعَٰلَمِينَ

کہ مجھے ان کی /آپ کہہ دیجئے عبادت سے روک دیا گیا ہے جنہیں تم اللہ کے سوا پکار رہے ہو اس بنا پر کہ میرے پاس میرے رب کی دلیلیں

مجھے یہ حکم دیا ،پہنچ چکی ہیں
گیا ہے کہ میں تمام جہانوں کے رب
کا تابع فرمان ہو جاؤں

Say (O Muhammad SAW): "I have been forbidden to worship those whom you worship besides Allah ﷻ, since there have come to me evidences from my Lord ﷻ, and I am commanded to submit (in Islam) to the Lord ﷻ of the 'Alamin (mankind, jinns and all that exists).

বলো -- 'নিঃসন্দেহ আমাকে নিষেধ করা হয়েছে তাদের উপাসনা করতে যাদের তোমরা উপাসনা কর আল্লাহ্‌কে বাদ দিয়ে, -- যখন আমার কাছে আমার প্রভুর কাছ থেকে স্পষ্ট প্রমাণাবলী এসেছে, আর আমাকে নির্দেশ দেওয়া হয়েছে যেন আমি বিশ্বজগতের প্রভুর প্রতি আত্মসমর্পণ করি।

你說：「當許多明証從我的主來臨我的時候，我

確已奉到禁令，不准我崇拜你們捨真主而崇拜的；我確已奉到命令，叫我順服全世界的主。」

(ऐ रसूलﷺ) तुम कह दो कि जब मेरे पास मेरे ~~परवरदिगार~~ रब ﷻ की बारगाह से खुले हुए मौजिज़े आ चुके तो मुझे इस बात की मनाही कर दी गयी है कि ~~ख़ुदा~~ अल्लाह ﷻ को छोड़ कर जिनको तुम पूजते हो मैं उनकी परसतिश करूँ और मुझे तो यह हुक्म हो चुका है कि मैं सारे जहाँन के पालने वाले का फरमाबरदार बनु

/40/66

❀◯❀◯❀

Al-Ghaafir (40:67)

بسم الله الرحمن الرحيم

هُوَ ٱلَّذِي خَلَقَكُم مِّن تُرَابٍ ثُمَّ مِن نُّطْفَةٍ ثُمَّ مِنْ عَلَقَةٍ ثُمَّ يُخْرِجُكُمْ طِفْلًا ثُمَّ لِتَبْلُغُوٓا۟ أَشُدَّكُمْ ثُمَّ لِتَكُونُوا۟ شُيُوخًا وَمِنكُم مَّن يُتَوَفَّىٰ مِن قَبْلُ وَلِتَبْلُغُوٓا۟

أَجَلًا مُّسَمًّى وَلَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ

وہ وہی ہے جس نے تمہیں مٹی سے
پھر نطفے سے پھر خون کے لوتھڑے
سے پیدا کیا پھر تمہیں بچہ کی
(تمہیں پھر،صورت میں نکالتا ہے
تم اپنی پوری قوت کو (بڑھاتا ہے کہ
تم میں ،پہنچ جاؤ پھر بوڑھے ہو جاؤ
سے بعض اس سے پہلے ہی فوت ہو
(وہ تمہیں چھوڑ دیتا ہے) ،جاتے ہیں
تاکہ تم مدت معین تک پہنچ جاؤ اور
تاکہ تم سوچ سمجھ لو

Heاللہ ﷻ, it is Who has created you (Adam) from dust, then from a Nutfah [mixed semen drops of male and female discharge (i.e. Adam's

offspring)] then from a clot (a piece of coagulated blood), then brings you forth as children, then (makes you grow) to reach the age of full strength, and afterwards to be old (men and women), though some among you die before, and that you reach an appointed term, in order that you may understand.

'তিনিﷲﷻই সেইজন যিনি তোমাদের সৃষ্টি করেছেন মাটি থেকে, তারপর শুক্রকীট থেকে, তারপর রক্তপিন্ড থেকে, তারপর তিনি তোমাদের বের করে আনেন শিশুরূপে, তারপর যেন তোমরা বাড়তে পারো তোমাদের পূর্ণযৌবনে, তারপর যেন তোমরা বৃদ্ধ হতে পারো, আর তোমাদের মধ্যে কাউকে মরতে দেওয়া হয় আগেই -- কাজেকাজেই তোমরা যেন নির্ধারিত সময়সীমায় পৌঁছুতে পারো, আর যেন তোমরা বুঝতে-সুঝতে পারো।

他創造了你們，先用泥土，繼用精液，繼用血塊，然後使你們出生為嬰兒，然後讓你們成年，然後讓你們變成老人——你們中有夭折的——然後，

讓你們活到一個定期，以便你們明理。

वहीﷻ वह ~~ख़ुदा~~ ﷲﷻहै जिसने तुमको पहले (पहल) मिटटी से पैदा किया फिर नुत्फे से, फिर जमे हुए ख़ून फिर तुमको बच्चा बनाकर (माँ के पेट) से निकलता है (ताकि बढ़ों) फिर (ज़िन्दा रखता है) ताकि तुम अपनी जवानी को पहुँचो फिर (और ज़िन्दा रखता है ताकि तुम बूढ़े हो जाओ और तुममें से कोई ऐसा भी है जो (इससे) पहले मर जाता है ग़रज़ (तुमको उस वक्त तक ज़िन्दा रखता है) की तुम (मौत के) मुकर्रर वक्त तक पहुँच जाओ

/40/67

Al-Ghaafir (40:68)

هُوَ ٱلَّذِى يُحْىِۦ وَيُمِيتُ فَإِذَا قَضَىٰٓ أَمْرًا فَإِنَّمَا يَقُولُ لَهُۥ كُن فَيَكُونُ

،وہی ہے جو جلاتا ہے اور مار ڈالتا ہے

پھر جب وہ کسی کام کا کرنا مقرر کرتا ہے تو اسے صرف یہ کہتا ہے کہ ہو جا پس وہ ہو جاتا ہے

He الله ﷻ it is Who gives life and causes death. And when He الله ﷻ decides upon a thing He says to it only: "Be!" and it is.

‘তিনিالله ﷻই সেইজন যিনি জীবনদান করেন ও মৃত্যু ঘটান, সুতরাং তিনিﷻ যখন কোনো ব্যাপারের বিধান করেন তখন শুধুমাত্র তিনি সে-সম্বন্ধে বলেন -- ‘হও’, ফলে তা হয়ে যায়।”

他能使人生，能使人死。當他判決一件事的時候，他只對那件事說「有」，它就有了。

और ताकि तुम (उसकी क़ुदरत को समझो) वह वहीﷻ الله ﷻ(~~ख़ुदा~~) है जो जिलाता और मारता है, फिर जब वह किसी काम का करना ठान लेता है तो बस उससे कह देता है कि हो जा' तो वह फ़ौरन हो जाता है

/40/68

अल्लाहू से खौफ खा, আল্লাহের খউফ রখ ,Be A Khaif

خوف کھا مالك کا,ఖుడా,ఖాఇఫ్ Lillahi
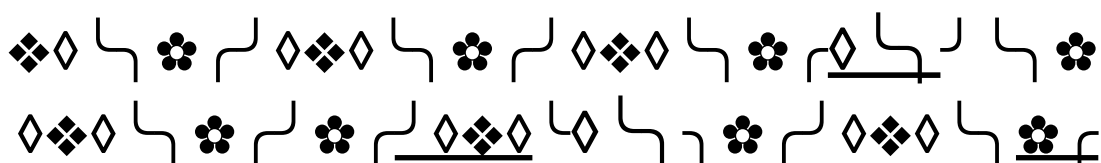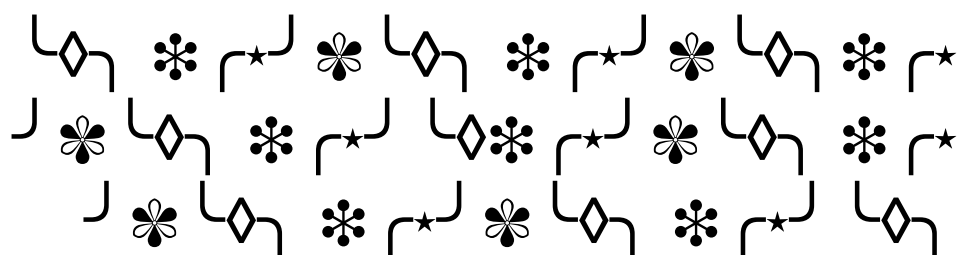
تَبَارَكَ

Az-Zukhruf (43:85)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَتَبَارَكَ ٱلَّذِى لَهُۥ مُلْكُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا وَعِندَهُۥ عِلْمُ ٱلسَّاعَةِ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ

اور وہ بہت برکتوں والا ہے جس کے

پاس آسمان وزمین اور ان کے درمیان
اور قیامت کا علم ،کی بادشاہت ہے
بھی اسی کے پاس ہے اور اسی کی
جانب تم سب لوٹائے جاؤ گے

And blessed be He ﷻ to Whom belongs the kingdom of the heavens and the earth, and all that is between them, and with Whom is the knowledge of the Hour, and to Whom you (all) will be returned.

আর পুণ্যময় তিনি ﷻ যাঁর অধিকারে রয়েছে মহাকাশমন্ডলী ও পৃথিবীর সার্বভৌমত্ব আর যা-কিছু রয়েছে এ দুইয়ের মধ্যে, আর তাঁরই কাছে রয়েছে ঘড়িঘান্টার জ্ঞান, আর তাঁর কাছেই তোমাদের ফিরিয়ে নেওয়া হবে।

多福哉，有天地的國權和天地間的萬物者！復活時的知識只有他知道，你們只被召歸於他。

और वहीﷲﷻ बहुत बाबरकत है जिसके लिए सारे आसमान व ज़मीन और दोनों के दरमियान की हुक़ुमत है और क़यामत की ख़बर भी उसी को है और तुम लोग उसकी तरफ लौटाए जाओगे

/43/85

❁◯❁◯❁

Az-Zukhruf (43:86)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَلَا يَمْلِكُ ٱلَّذِينَ يَدْعُونَ مِن دُونِهِ ٱلشَّفَٰعَةَ إِلَّا مَن شَهِدَ بِٱلْحَقِّ وَهُمْ يَعْلَمُونَ

جنہیں یہ لوگ اللّٰہ کے سوا پکارتے ہیں وہ شفاعت کرنے کا اختیار نہیں رکھتے ،ہاں (مستحق شفاعت وہ ہیں) جو حق بات کا اقرار کریں اور انہیں علم بھی ہو

And those whom they invoke instead of Himﷻ have no power of intercession; except those who bear witness to the truth (i.e. believed in the Oneness of Allah,ﷻ and obeyed His ﷻOrders), and they know (the facts about the Oneness of Allahﷻ).

আর তাঁকে বাদ দিয়ে তারা যাদের ডাকে তাদের কোনো ক্ষমতা নেই সুপারিশ করার, তিনি ব্যতীত যিনি সত্যের সাথে সাক্ষ্য দেন, আর তারা জানে।

他們捨他而祈禱的，沒有替人說情的權柄；惟依真理而作証，且深知其証辭的人們，則不然。

और ~~ख़ुदा~~ اللهﷻके सिवा जिनकी ये लोग इबादत करतें हैं वह तो सिफारिश का भी एख्तेयार नहीं रख़ते मगर (हॉ) जो लोग समझ बूझ कर हक़ बात (तौहीद) की गवाही दें (तो खैर)

/43/86

अल्लाहू से खौफ खा, আল্লাহের খউফ রখ ,Be A Khaif Lillahi,ఖాఇఫ్ ఐఏ, خوف کھا مالك

کا

Ar-Rahmaan (55:78)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

تَبَٰرَكَ ٱسْمُ رَبِّكَ ذِى ٱلْجَلَٰلِ وَٱلْإِكْرَامِ

تیرے پروردگار کا نام بابرکت ہے جو عزت وجلال والا ہے

Blessed be the Name of your Lord (Allah ﷻ),

the Owner of Majesty and Honour.

কত কল্যাণময় তোমার প্রভুর ﷻ নাম, তিনি অপার মহিমার ও বিপুল করুণার অধিকারী।

多福哉，你具尊嚴和大德的主的名號！

(ऐ रसूल ﷺ) तुम्हारा ~~परवरदिगार~~ ﷻ ربजो साहिबे जलाल व करामत है उसी का नाम बड़ा बाबरकत है /55/78

अल्लाहू से खौफ खा, আল্লাহের খউফ রখ ,Be A Khaif Lillahi,ఖాఇఫ్ ఐపో,کا مالك کها خوف
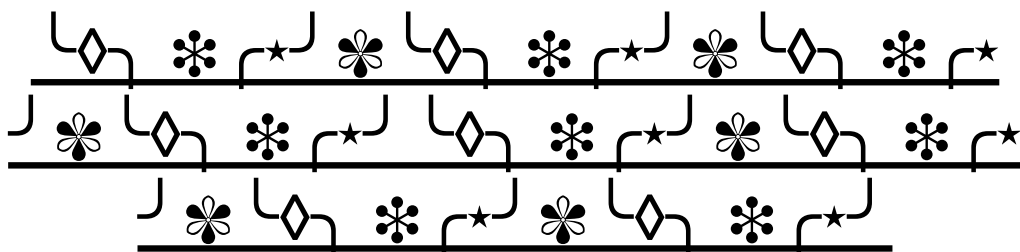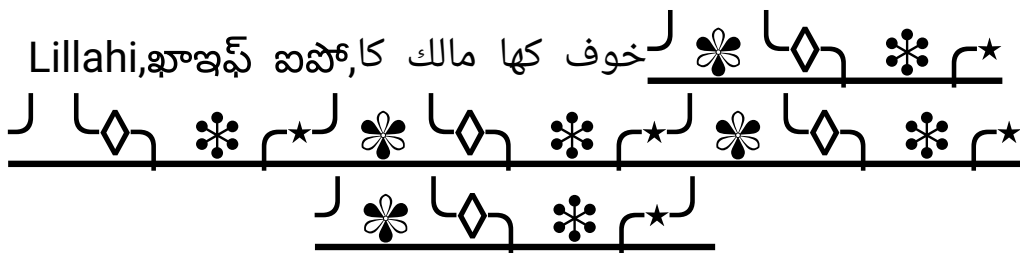
Al-A'raaf (7:54)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ رَبَّكُمُ ٱللَّهُ ٱلَّذِى خَلَقَ
ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ فِى سِتَّةِ أَيَّامٍ
ثُمَّ ٱسْتَوَىٰ عَلَى ٱلْعَرْشِ يُغْشِى ٱلَّيْلَ
ٱلنَّهَارَ يَطْلُبُهُۥ حَثِيثًا وَٱلشَّمْسَ وَٱلْقَمَرَ
وَٱلنُّجُومَ مُسَخَّرَٰتٍۭ بِأَمْرِهِۦٓ أَلَا لَهُ ٱلْخَلْقُ
وَٱلْأَمْرُ تَبَارَكَ ٱللَّهُ رَبُّ ٱلْعَٰلَمِينَ

بے شک تمہارا رب اللّٰہ ہی ہے جس نے
سب آسمانوں اور زمین کو چھ روز
میں پیدا کیا ہے، پھر عرش پر قائم
ہوا۔ وہ شب سے دن کو ایسے طور پر
چھپا دیتا ہے کہ وہ شب اس دن کو
جلدی سے آ لیتی ہے اور سورج اور
چاند اور دوسرے ستاروں کو پیدا کیا

ایسے طور پر کہ سب اس کے حکم کے تابع ہیں۔ یاد رکھو اللہ ہی کے لئے خاص ہے خالق ہونا اور حاکم ہونا، بڑی خوبیوں سے بھرا ہوا ہے اللہ جو تمام عالم کا پروردگار ہے

Indeed your Lord is Allahﷻ, Who created the heavens and the earth in Six Days, and then He Istawa (rose over) the Throne (really in a manner that suits His Majesty). He brings the night as a cover over the day, seeking it rapidly, and (He created) the sun, the moon, the stars subjected to His Command. Surely, His is the Creation and Commandment. Blessed be Allah,ﷻ the Lord of the 'Alamin (mankind, jinns and all that exists)!

নিঃসন্দেহ তোমাদের প্রভু হচ্ছেন আল্লাহ্ﷻ যিনি সৃষ্টি করেছেন মহাকাশমন্ডল ও পৃথিবী ছয় দিনে, তখন তিনি আরশে অধিষ্ঠিত হন। তিনি দিনকে

আবৃত করেন রাত্রি দিয়ে, -- যা দ্রুতগতিতে তার অনুসরণ করে। আর সূর্য ও চন্দ্র ও নক্ষত্ররাজি তাঁর হুকুমের আজ্ঞাধীন। সৃষ্টি করা ও নির্দেশ দান কি তাঁর অধিকারভুক্ত নয়? মহিমাময় আল্লাহ্ ﷻ-- বিশ্বজগতের প্রভু!

你們的主確是真主，他在六日內創造了天地，然後，升上寶座，他使黑夜追求白晝，而遮蔽它；他把日月和星宿造成順從他的命令的。真的，創造和命令只歸他主持。多福哉真主——全世界的主！

बेशक उन लोगों ने अपना सख्त घाटा किया और जो इफ़तेरा परदाज़िया किया करते थे वह सब गायब (ग़ल्ला) हो गयीं बेशक तुम्हारा رب ~~परवरदिगार ख़ुदा~~ ﷲﷻही है जिसके (सिर्फ) 6 दिनों में आसमान और ज़मीन को ناياب◌ा फिर अर्श के बनाने पर आमादा हुआ वही रात को दिन का लिबास पहनाता है तो (गोया) रात दिन को पीछे पीछे तेज़ी से ढूंढती फिरती है और उसी ने आफ़ताब और माहताब और सितारों को ~~पैदा किया~~ بنایاकि ये सब के सब उसी के हुक्म के ताबेदार हैं

/7/54

۞۞۞

Al-A'raaf (7:55)

ٱدْعُواْ رَبَّكُمْ تَضَرُّعًا وَخُفْيَةً إِنَّهُۥ لَا يُحِبُّ ٱلْمُعْتَدِينَ

تم لوگ اپنے پروردگار سے دعا کیا کرو گڑگڑا کر کے بھی اور چپکے چپکے بھی۔ واقعی اللہ تعالیٰ ان لوگوں کو ناپسند کرتا ہے جو حد سے نکل جائیں

Invoke your Lord with humility and in secret. He likes not the aggressors.

তোমাদের প্রভুকে ডাকো বিনীতভাবে ও গোপনতার সাথে। নিঃসন্দেহ তিনি সীমালঙ্ঘনকারীদের

ভালোবাসেন না।

你們要虔誠地、秘密地祈禱你們的主，他確是不喜歡過份者的。

देखो हुकूमत और पैदा करना बस ख़ास उसी के लिए है वह ख़ुदा जो सारे जहाँन का परवरदिगार बरक़त वाला है

/7/55

❀◯❀◯❀

Al-A'raaf (7:56)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَلَا تُفْسِدُوا۟ فِى ٱلْأَرْضِ بَعْدَ إِصْلَٰحِهَا وَٱدْعُوهُ خَوْفًا وَطَمَعًا إِنَّ رَحْمَتَ ٱللَّهِ قَرِيبٌ مِّنَ ٱلْمُحْسِنِينَ

اور دنیا میں اس کے بعد کہ اس کی فساد مت پھیلا،درستی کردی گئی ہے

اؤ اور تم اللّٰہ کی عبادت کرو اس سے ڈرتے ہوئے اور امیدوار رہتے ہوئے۔ بے شک اللّٰہ تعالیٰ کی رحمت نیک کام کرنے والوں کے نزدیک ہے

And do not do mischief on the earth, after it has been set in order, and invoke Him with fear and hope; Surely, Allah's Mercy is (ever) near unto the good-doers.

আর দুনিয়াতে গন্ডগোল সৃষ্টি করো না তার মধ্যে শান্তিপ্রতিষ্ঠার পরে, আর তাঁকে ডাকো ভয়ে ও আশায়। নিঃসন্দেহ আল্লাহ্র অনুগ্রহ সৎকর্মশীলদের নিকটবর্তী।

在改善地方之後，你們不要在地方上作惡，你們要懷著恐懼和希望的心情祈禱他。真主的慈恩確是臨近行善者的。

(लोगों) अपने परवरदिगार से गिड़गिड़ाकर और चुपके -

चुपके दुआ करो, वह हद से तजाविज़ करने वालों को हरगिज़ दोस्त नहीं रखता और ज़मीन में असलाह के बाद फसाद न करते फिरो और (अज़ाब) के ख़ौफ से और (रहमत) की आस लगा के ख़ुदा से दुआ मांगो /7/56

Al-A'raaf (7:57)

وَهُوَ ٱلَّذِى يُرْسِلُ ٱلرِّيَٰحَ بُشْرًۢا بَيْنَ يَدَىْ
رَحْمَتِهِۦ حَتَّىٰٓ إِذَآ أَقَلَّتْ سَحَابًا ثِقَالًا
سُقْنَٰهُ لِبَلَدٍ مَّيِّتٍ فَأَنزَلْنَا بِهِ ٱلْمَآءَ
فَأَخْرَجْنَا بِهِۦ مِن كُلِّ ٱلثَّمَرَٰتِ كَذَٰلِكَ
نُخْرِجُ ٱلْمَوْتَىٰ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُونَ

اور وہ ایسا ہے کہ اپنی باران رحمت
سے پہلے ہواؤں کو بھیجتا ہے کہ وہ

یہاں تک کہ جب ،خوش کر دیتی ہیں

وہ ہوائیں بھاری بادلوں کو اٹھا لیتی

تو ہم اس بادل کو کسی خشک ،ہیں

سرزمین کی طرف ہانک لے جاتے ہیں،

پھر اس بادل سے پانی برساتے ہیں

پھر اس پانی سے ہر قسم کے پھل

نکالتے ہیں۔ یوں ہی ہم مردوں کو

نکال کھڑا کریں گے تاکہ تم سمجھو

And it is He الله ﷻ Who sends the winds as heralds of glad tidings, going before His {Mercy (rain). Till when they have carried a heavy-laden cloud, We ﷻ drive it to a land that is dead, then We ﷻ cause water (rain) to descend thereon. Then We ﷻ produce every kind of fruit therewith. Similarly, We ﷻ shall raise up the dead, so that you may remember or take heed.

আর তিনিاللهﷻই সেইজন যিনি মলয়বায়ুপ্রবাহ পাঠান তাঁর অনুগ্রহের প্রাক্কালে সুসংবাদবাহীরূপে। শেষ পর্যন্ত যখন তারা সঘন মেঘমালা বহন ক'রে আনে, আমরাﷻ তখন তা মৃত ভূখন্ডের দিকে পাঠাই, তারপর আমরাﷻ তাতে পানি বর্ষণ করি, তারপরে এর সাহায্যে উৎপাদন করি সব রকমের ফলফসল। এইভাবে আমরাﷻ মৃতকে বের করে আনি, যেন তোমরা স্মরণ করতে পারো।

他使風在他的慈恩之前作報喜者，直到它載了沉重的烏雲，我就把雲趕到一個已死的地方去，於是，從雲中降下雨水，於是借雨水而造出各種果實——我這樣使死的復活——以便你們覺悟。

(क्योंकि) नेकी करने वालों से ख़ुदा اللهﷻकी रहमत यक़ीनन क़रीब है और वही तो (वह) ~~ख़ुदा~~ اللهﷻहै जो अपनी रहमत (अब्र) से पहले खुशखबरी देने वाली हवाओ को भेजता है यहाँ तक कि जब हवाएं (पानी से भरे) बोझल बादलों के ले उड़े तो हमاللهﷻ उनको किसी शहर की की तरफ (जो पानी का नायाबी (कमी) से गोया) मर चुका था हॅका दिया फिर हमﷻने उससे

पानी बरसाया, फिर हमﷻने उससे हर तरह के फल ज़मीन से निकाले

ʀ/7/57

؟

Al-A'raaf (7:58)

وَٱلۡبَلَدُ ٱلطَّيِّبُ يَخۡرُجُ نَبَاتُهُۥ بِإِذۡنِ رَبِّهِۦۖ
وَٱلَّذِي خَبُثَ لَا يَخۡرُجُ إِلَّا نَكِدٗاۚ كَذَٰلِكَ
نُصَرِّفُ ٱلۡأٓيَٰتِ لِقَوۡمٖ يَشۡكُرُونَ

اور جو ستھری سرزمین ہوتی ہے اس
کی پیداوار تو اللہ کے حکم سے خوب
نکلتی ہے اور جو خراب ہے اس کی
اسی طرح ،پیداوار بہت کم نکلتی ہے
ہم دلائل کو طرح طرح سے بیان کرتے
ان لوگوں کے لئے جو شکر کرتے ،ہیں

The vegetation of a good land comes forth (easily) by the Permission of its Lordاللهﷻ, and that which is bad, brings forth nothing but a little with difficulty. Thus do We ﷻexplain variously the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) for a people who give thanks.

আর ভালো জমিএর গাছপালা গজায় তার প্রভুরاللهﷻ অনুমতিক্রমে, আর যা মন্দ -- কিছুই গজায় না অল্পস্বল্প ছাড়া। এই ভাবে আমরা ﷻনির্দেশসমূহ বিশদভাবে বর্ণনা করি যারা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে তেমন লোকের জন্য।

肥沃的地方的植物，奉真主的命令而生長，瘠薄的地方的植物，出得很少，我這樣為感激的民眾闡述一切蹟象。

हमاللهﷻ यूं ही (क़यामत के दिन ज़मीन से) मुर्दों को निकालेंगें ताकि तुम लोग नसीहत व इबरत हासिल करो

और उम्दा ज़मीन उसके ~~परवरदिगार~~ اللہﷻ के हुक्म से उस सब्ज़ा (अच्छा ही) है और जो ज़मीन बड़ी है उसकी पैदावार ख़राब ही होती है

[7/58
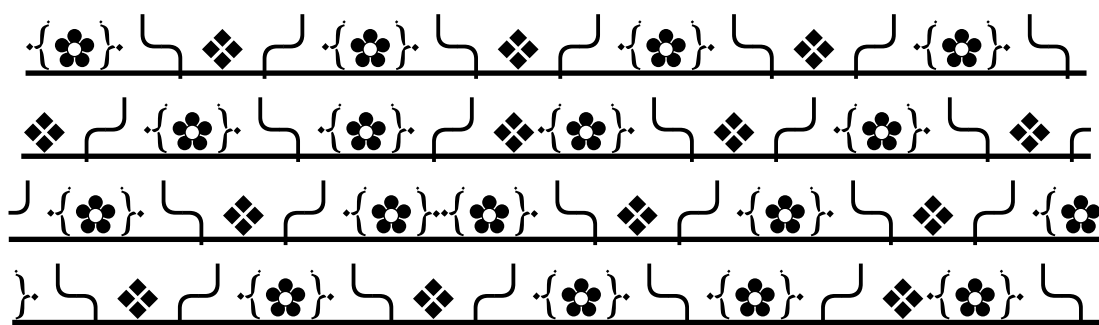
अल्लाहू से खौफ खा, আল্লাহের খউফ রখ ,Be A Khaif Lillahi,ఖౌఫ్ ఖా, خوف کھا مالك

Al-Muminoon (23:12)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَلَقَدْ خَلَقْنَا ٱلْإِنسَـٰنَ مِن سُلَـٰلَةٍ مِّن طِينٍ

یقیناً ہم نے انسان کو مٹی کے جوہر سے پیدا کیا

And indeed Weﷲ ﷻ created man (Adam) out of an extract of clay (water and earth).

আর আমরাﷻ নিশ্চয়ই মানুষকে সৃষ্টি করেছি কাদার নির্যাস থেকে,

我確已用泥土的精華創造人，

और हमﷲ ﷻने आदमी को गीली मिट्टी के जौहर से بنایا~~पैदा किया~~

/23/12

Al-Muminoon (23:13)

ثُمَّ جَعَلْنَٰهُ نُطْفَةً فِي قَرَارٍ مَّكِينٍ

پھر اسے نطفہ بنا کر محفوظ جگہ میں قرار دے دیا

Thereafter We اللهﷻ made him (the offspring of Adam) as a Nutfah (mixed drops of the male and female sexual discharge) (and lodged it) in a safe lodging (womb of the woman).

তারপর আমরাﷻ তাকে বানাই শুক্রকীট এক নিরাপদ অবস্থান স্থলে,

然後，我使他變成精液，在堅固的容器中的精液，

फिर हमاللهﷻने उसको एक महफ़ूज़ जगह (औरत के रहम में) नुत्फ़ा बना कर रखा

/23/13

ثُمَّ خَلَقْنَا ٱلنُّطْفَةَ عَلَقَةً فَخَلَقْنَا ٱلْعَلَقَةَ
مُضْغَةً فَخَلَقْنَا ٱلْمُضْغَةَ عِظَٰمًا فَكَسَوْنَا
ٱلْعِظَٰمَ لَحْمًا ثُمَّ أَنشَأْنَٰهُ خَلْقًا ءَاخَرَ
فَتَبَارَكَ ٱللَّهُ أَحْسَنُ ٱلْخَٰلِقِينَ

پھر نطفہ کو ہم نے جما ہوا خون بنا
پھر اس خون کے لوتھڑے کو ،دیا
گوشت کا ٹکڑا کردیا۔ پھر گوشت کے
پھر ہڈیوں ،ٹکڑے کو ہڈیاں بنا دیں
پھر دوسری ،کو ہم نے گوشت پہنا دیا
بناوٹ میں اس کو پیدا کردیا۔ برکتوں
والا ہے وہ اللہ جو سب سے بہترین
پیدا کرنے والا ہے

Then We اللہ ﷻ made the Nutfah into a clot (a

piece of thick coagulated blood), then Weﷻ made the clot into a little lump of flesh, then Weﷻ made out of that little lump of flesh bones, then We ﷻclothed the bones with flesh, and then Weﷻ brought it forth as another creation. So blessed be Allah, ﷻthe Best of creators.

তারপর আমরাﷻ শুক্রকীটটিকে বানাই একটি রক্তপিন্ড, তারপর রক্তপিন্ডকে আমরা ﷻবানাই একটি মাংসের তাল, তারপর মাংসের তালে আমরাﷻ সৃষ্টি করি হাড়গোড়, তারপর হাড়গোড়কে আমরﷻা ঢেকে দিই মাংসপেশী দিয়ে, তারপরে আমরাﷻ তাকে পরিণত করি অন্য এক সৃষ্টিতে। সেইজন্য আল্লাহ্‌রই অপার মহিমা, কত শ্রেষ্ঠ এই স্রষ্টা!

然後，我把精液造成血塊，然後，我把血塊造成肉團，然後，我把肉團造成骨骼，然後，我使肌肉附著在骨骼上，然後我把他造成別的生物。願真主降福，他是最善於創造的。

फिर हमﷲﷻ ही ने नुतफ़े को जमा हुआ ख़ून बनाया फिर हमﷻ ही ने मुनजमिद खून को गोश्त का लोथड़ा बनाया हमﷻ ही ने लोथडे क़ी हड्डियाँ बनायीं फिर हमﷻ ही ने हड्डियों पर गोश्त चढ़ाया फिर हमﷻ ही ने उसको (रुह डालकर) एक दूसरी सूरत में بدلا دیا ~~पैदा किया~~ तो (सुबहान अल्लाह) ~~ख़ुदा~~ बा बरकत है जो सब बनाने वालो से बेहतर है

r/23/14

Al-Muminoon (23:15)

ثُمَّ إِنَّكُم بَعْدَ ذَٰلِكَ لَمَيِّتُونَ

اس کے بعد پھر تم سب یقیناً مر جانے والے ہو

After that, surely, you will die.

তারপর নিঃসন্দেহ তোমরা এর পরে তো মৃত্যু বরণ

করবে।

此後，你們必定死亡，

फिर इसके बाद यक़ीनन तुम सब लोगों को (एक न एक दिन) मरना है

r/23/15

❀◯❀◯❀

Al-Muminoon (23:16)

ثُمَّ إِنَّكُمْ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ تُبْعَثُونَ

پھر قیامت کے دن بلا شبہ تم سب اٹھائے جاؤ گے

Then (again), surely, you will be resurrected on the Day of Resurrection.

তারপর তোমাদের অবশ্যই কিয়ামতের দিনে পুনরুত্থিত করা হবে।

然後，你們在復活日必定要復活。

इसके बाद कयामत के दिन तुम सब के सब कब्रों से उठाए जाओगे

/23/16

؟

Al-Muminoon (23:17)

وَلَقَدْ خَلَقْنَا فَوْقَكُمْ سَبْعَ طَرَآئِقَ وَمَا كُنَّا عَنِ ٱلْخَلْقِ غَٰفِلِينَ

ہم نے تمہارے اوپر سات آسمان بنائے ہیں اور ہم مخلوقات سے غافل نہیں ہیں

And indeed We اللہ ﷻ *have created above you seven heavens (one over the other), and We*

ﷻare never unaware of the creation.

আর আমরাﷻা নিশ্চয়ই তোমাদের উপরে সৃষ্টি করেছি সাতটি পথ, আর সৃষ্টি সম্বন্ধে আমরা ﷻ কখনও উদাসীন নই।

我在你們的上面確已造了七條軌道，我對眾生，不是疏忽的。

और हमاللهﷻ ही ने तुम्हारे ऊपर तह ब तह आसमान बनाए और हमﷻ मख़लूक़ात से बेखबर नही है

17/23/

Al-Muminoon (23:18)

وَأَنزَلْنَا مِنَ ٱلسَّمَآءِ مَآءًۢ بِقَدَرٍ فَأَسْكَنَّٰهُ فِى ٱلْأَرْضِ وَإِنَّا عَلَىٰ ذَهَابٍۭ بِهِۦ لَقَٰدِرُونَ

ہم ایک صحیح انداز سے آسمان سے

پھر اسے زمین میں ،پانی برساتے ہیں
اور ہم اس کے لے ،ٹھہرا دیتے ہیں
جانے پر یقیناً قادر ہیں

And We ﷲ ﷻ sent down from the sky water (rain) in (due) measure, and We ﷻ gave it lodging in the earth, and verily, We ﷻ are Able to take it away.

আর আমরাﷻ আকাশ থেকে বর্ষণ করি পানি একটি পরিমাপ মতো, তারপর আমরাﷻ তাকে মাটিতে সংরক্ষিত করি, আর নিঃসন্দেহ আমরাﷻ তা সরিয়ে নিতেও সক্ষম।

我從雲中降下定量的雨水，然後，我使它停留在地下——我對於使它乾涸，是全能的

और हमﷲﷻने आसमान से एक अन्दाजे क़े साथ पानी बरसाया फिर उसको ज़मीन में (हसब मसलेहत) ठहराए रखा और हमﷲﷻ तो यक़ीनन उसके ग़ाएब कर देने पर भी क़ाबू रखते है

18/23

❁◯❁◯❁

Al-Muminoon (23:19)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

فَأَنشَأْنَا لَكُم بِهِۦ جَنَّٰتٍ مِّن نَّخِيلٍ وَأَعْنَٰبٍ
لَّكُمْ فِيهَا فَوَٰكِهُ كَثِيرَةٌ وَمِنْهَا تَأْكُلُونَ

اسی پانی کے ذریعہ سے ہم تمہارے
لئے کھجوروں اور انگوروں کے باغات
پیدا کردیتے ہیں، ان کہ تمہارے لئے
میں بہت سے میوے ہوتے ہیں ان ہی
میں سے تم کھاتے بھی ہو

Then We اللہ ﷻ brought forth for you therewith gardens of date-palms and grapes, wherein is much fruit for you, and whereof you eat.

তারপর তার দ্বারা আমরাﷻ তোমাদের জন্য সৃষ্টি করি খেজুরের ও আঙুরের বাগানসমূহ। তোমাদের জন্য তাতে রয়েছে প্রচুর ফলফসল, আর তা থেকে তোমরা খাওয়া-দাওয়া করো।

——然後，我借它而為你們創造許多棗園和葡萄園，其中有許多水果都是你們的，你們得取而食之。

फिर हमनेاللهﷻ उस पानी से तुम्हारे वास्ते खजूरों और अंगूरों के बाग़ात बनाए कि उनमें तुम्हारे वास्ते (तरह तरह के) बहुतेरे मेवे (पैदा होते) हैं उनमें से बाज़ को तुम खाते हो

ر/23/19

؟

Al-Muminoon (23:20)

وَشَجَرَةً تَخْرُجُ مِن طُورِ سَيْنَاءَ تَنبُتُ بِٱلدُّهْنِ وَصِبْغٍ لِّلْءَاكِلِينَ

اور وہ درخت جو طور سینا پہاڑ سے
نکلتا ہے جو تیل نکالتا ہے اور کھانے
والے کے لئے سالن ہے

And a tree (olive) that springs forth from Mount Sinai, that grows oil, and (it is a) relish for the eaters.

আর গাছ যা জন্মে সিনাই পাহাড়ে, তা উৎপাদন করে তেল ও জেলি আহারকারীদের জন্য।

我又借它而為你們創造一種樹，從西奈山發出，能生油汁和作料，供食者調味之用。

और (हम ही ने ज़ैतून का) दरख्त (पैदा किया) जो तूरे सैना (पहाड़) में (कसरत से) पैदा होता है जिससे तेल भी निकलता है और खाने वालों के लिए सालन भी है

r/23/20

❁۝❁۝❁

Al-Muminoon (23:21)

بسم الله الرحمن الرحیم

وَإِنَّ لَكُمْ فِي ٱلْأَنْعَٰمِ لَعِبْرَةً نُّسْقِيكُم مِّمَّا فِي بُطُونِهَا وَلَكُمْ فِيهَا مَنَٰفِعُ كَثِيرَةٌ وَمِنْهَا تَأْكُلُونَ

تمہارے لئے چوپایوں میں بھی بڑی بھاری عبرت ہے۔ ان کے پیٹوں میں سے ہم تمہیں دودھ پلاتے ہیں اور بھی بہت سے نفع تمہارے لئے ان میں ہیں ان میں سے بعض بعض کو تم کھاتے بھی ہو

And Verily! In the cattle there is indeed a lesson for you. We اللہ جَلَّ جَلَالُهُ *give you to drink (milk) of*

that which is in their bellies. And there are, in them, numerous (other) benefits for you, and of them you eat.

আর নিঃসন্দেহ গবাদি-পশুতে তোমাদের জন্য রয়েছে শিক্ষণীয় বিষয়। আমরাﷻ তোমাদের পান করতে দিই তাদের পেটের মধ্যে যা আছে তা থেকে, আর তাদের মধ্যে তোমাদের জন্য আছে প্রচুর উপকারিতা, আর তাদের থেকে তোমরা খাও,

牲畜中對於你們確有一種教訓，我使你們得飲牠們腹中的乳汁，得享受牠們的許多裨益，你們又得食牠們的肉，

और उसमें भी शक नहीं कि तुम्हारे वास्ते चौपायों में भी इबरत की जगह है और (ख़ाक बला) जो कुछ उनके पेट में है उससे हम तुमको दूध पिलाते हैं और जानवरों में तो तुम्हारे और भी बहुत से फायदे हैं और उन्हीं में से बाज़ तुम खाते हो

21/23/

Al-Muminoon (23:22)

وَعَلَيْهَا وَعَلَى ٱلْفُلْكِ تُحْمَلُونَ

اور ان پر اور کشتیوں پر تم سوار کرائے جاتے ہو

And on them(animals), and on ships you are carried.

আর তাদের উপরে এবং জাহাজে তোমাদের বহন করা হয়।

你們又得用牠們和船舶來供載運。

और उन्हें जानवरों और कश्तियों पर चढे चढ़े फिरते भी हो

/23/22

ٱلۡمُلۡكُ

وَهُوَ

عَلَىٰ

كُلِّ

شَىۡءٍ

قَدِيرٌ

⋆.{✿}.❖ ✾ .{✿}. ❖ ✾ .{✿}.❖

کے جس (اللہ)ﷻ وہ ہے بابرکت بہت

چیز ہر جو اور ہے بادشاہی میں ہاتھ

ہے والا رکھنے قدرت پر

*Blessed is He*ﷻ اللّٰہ *in Whose Hand is the dominion, and He* ﷻ*is Able to do all things.*

মহামহিমান্বিত তিনিﷻ যাঁর হাতে রয়েছে সার্বভৌম কর্তৃত্ব, আর তিনিﷻ সব-কিছুর উপরে সর্বশক্তিমান;

多福哉擁有主權者！他對於萬事是全能的。

जिसاللهﷻ (ख़ुदा) के कब्ज़े में (सारे जहाँन की) बादशाहत है वह اللهﷻबड़ी बरकत वाला है और वह اللهﷻहर चीज़ पर कादिर है

/67/1

❀◯❀◯❀

Al-Mulk (67:2)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلَّذِي خَلَقَ ٱلۡمَوۡتَ وَٱلۡحَيَوٰةَ لِيَبۡلُوَكُمۡ أَيُّكُمۡ أَحۡسَنُ عَمَلٗاۚ وَهُوَ ٱلۡعَزِيزُ ٱلۡغَفُورُ

جس نے موت اور حیات کو اس لیے پیدا کیاکہ تمہیں آزمائے کہ تم میں اور وہ غ،سے اچھے کام کون کرتا ہے بخشنے والا ہے(اور) الب

Who has created death and life, that He may test you which of you is best in deed. And He is the All-Mighty, the Oft-Forgiving;

যিনি মৃত্যু ও জীবন সৃষ্টি করেছেন তোমাদের যাচাই করতে যে তোমাদের মধ্যে কে কাজকর্মে শ্রেষ্ঠ। আর তিনি মহাশক্তিশালী, পরিত্রাণকারী;

他曾創造了死生，以便他考驗你們誰的作為是最優美的。他是萬能的，是至赦的。

जिसने मौत और ज़िन्दगी को पैदा किया ताकि तुम्हें आज़माए कि तुममें से काम में सबसे अच्छा कौन है और वह ग़ालिब (और) बड़ा बख्शने वाला है

s/67/2

Al-Mulk (67:3)

ٱلَّذِي خَلَقَ سَبۡعَ سَمَٰوَٰتٍ طِبَاقًا مَّا تَرَىٰ

فِي خَلۡقِ ٱلرَّحۡمَٰنِ مِن تَفَٰوُتٖۖ فَٱرۡجِعِ ٱلۡبَصَرَ هَلۡ تَرَىٰ مِن فُطُورٖ

جس نے سات آسمان اوپر تلے بنائے۔ اللہ رحمٰن کی (تو اے دیکھنے والے) پیدائش میں کوئی بے ضابطگی نہ (نظریں ڈال کر) دوبارہ،دیکھے گا دیکھ لے کیا کوئی شگاف بھی نظر آرہا ہے

Who has created the seven heavens one above another, you can see no fault in the creations of the Most Beneficent. Then look again: "Can you see any rifts?"

যিনি সাত আকাশ সৃষ্টি করেছেন সুবিন্যস্তভাবে। তুমি পরম করুণাময়ের সৃষ্টিতে কোনো অসামঞ্জস্য

দেখতে পাবে না। তারপর তুমি দৃষ্টি ঘুরিয়ে-ফিরিয়ে নাও, তুমি কি কোনো ফাটল দেখতে পাচ্ছ?

他創造了七層天，你在至仁主的所造物中，不能看出一點參差。你再看看！你究竟能看出甚麼缺陷呢?

जिसने सात आसमान तले ऊपर बना डाले भला तुझे ख़ुदा की आफ़रिनश में कोई कसर नज़र आती है तो फिर आँख उठाकर देख भला तुझे कोई शिग़ाफ़ नज़र आता है

/67/3

Al-Mulk (67:4)

ثُمَّ ٱرْجِعِ ٱلْبَصَرَ كَرَّتَيْنِ يَنقَلِبْ إِلَيْكَ ٱلْبَصَرُ خَاسِئًا وَهُوَ حَسِيرٌ

پھر دوہرا کر دو دو بار دیکھ لے تیری

ہو کر (و عاجز) نگاہ تیری طرف ذلیل
تھکی ہوئی لوٹ آئے گی

Then look again and yet again, your sight will return to you in a state of humiliation and worn out.

তারপর দৃষ্টি আরেকবার ঘুরিয়ে-ফিরিয়ে নাও, দৃষ্টি তোমার কাছে ফিরে আসবে ব্যর্থ হয়ে, আর তা হবে ক্লান্ত।

然後你再看兩次，你的眼睛將昏花地、疲倦地轉回來！

फिर दुबारा आँख उठा कर देखो तो (हर बार तेरी) नज़र नाकाम और थक कर तेरी तरफ पलट आएगी

r/67/4

Al-Mulk (67:5)

وَلَقَدْ زَيَّنَّا ٱلسَّمَآءَ ٱلدُّنْيَا بِمَصَٰبِيحَ وَجَعَلْنَٰهَا رُجُومًا لِّلشَّيَٰطِينِ وَأَعْتَدْنَا لَهُمْ عَذَابَ ٱلسَّعِيرِ

بیشک ہم نے آسمان دنیا کو چراغوں سے آراستہ کیا اور انہیں (ستاروں) شیطانوں کے مارنے کا ذریعہ بنا دیا دوزخ کا) اور شیطانوں کے لیے ہم نے عذاب تیار کر دیا(جلانے والا

And indeed We اللهﷻ have adorned the nearest heaven with lamps, and We اللهﷻ have made such lamps (as) missiles to drive away the Shayatin (devils), and have prepared for them the torment of the blazing Fire.

আর আমরাﷻ নিকটবর্তী আকাশকে সুশোভিত

করে রেখেছি প্রদীপমালা দিয়ে, আর আমরা ﷻতাদের বানিয়েছি শয়তানদের জন্য ভাঁওতার বিষয়; আর আমরাﷻ তাদের জন্য প্রস্তুত রেখেছি জ্বলন্ত আগুনের শাস্তি।

我確已以眾星點綴最近的天，並以眾星供惡魔們猜測。我已為他們預備火獄的刑罰。

और हमने नीचे वाले (पहले) आसमान को (तारों के) चिराग़ों से ज़ीनत दी है और हमने उनको शैतानों के मारने का आला बनाया और हमने उनके लिए दहकती हुई आग का अज़ाब तैयार कर रखा है /67/5

Al-Mulk (67:6)

وَلِلَّذِينَ كَفَرُوا۟ بِرَبِّهِمْ عَذَابُ جَهَنَّمَ وَبِئْسَ ٱلْمَصِيرُ

اور اپنے رب کے ساتھ کفر کرنے والوں کے لیے جہنم کا عذاب ہے اور وہ کیا ہی بری جگہ ہے

And for those who disbelieve in their Lord (Allahﷻ) is the torment of Hell, and worst indeed is that destination.

আর যারা তাদের প্রভুﷻকে অবিশ্বাস করে তাদের জন্য রয়েছে জাহান্নামের শাস্তি। আর মন্দ সেই গন্তব্যস্থান/

不信主的人們將受火獄的刑罰，那歸宿真惡劣！

और जो लोग अपने ~~परवरदिगार~~ اللهﷻके मुनकिर हैं उनके लिए जहन्नुम का अज़ाब है और वह (बहुत) बुरा ठिकाना है

/67/6

Al-Mulk (67:7)

إِذَآ أُلۡقُواْ فِيهَا سَمِعُواْ لَهَا شَهِيقًا وَهِيَ تَفُورُ

جب اس میں یہ ڈالے جائیں گے تو اس کی بڑے زور کی آواز سنیں گے اور وہ جوش مار رہی ہوگی

When they are cast therein, they will hear the (terrible) drawing in of its breath as it blazes forth.

যখন তাদের সেখানে নিক্ষেপ করা হবে তখন তারা তার থেকে বিকট গর্জন শুনতে পাবে, আর তা লেলিহান শিখা ছড়াবে, --

當他們被投入火獄的時候，他們將聽見沸騰的火

獄發出驢鳴般的聲音。

जब ये लोग इसमें डाले जाएँगे तो उसकी बड़ी चीख़ सुनेंगे और वह जोश मार रही होगी

r/67/7

❀◯❀◯❀

Al-Mulk (67:8)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

تَكَادُ تَمَيَّزُ مِنَ ٱلْغَيْظِ كُلَّمَآ أُلْقِيَ فِيهَا فَوْجٌ سَأَلَهُمْ خَزَنَتُهَآ أَلَمْ يَأْتِكُمْ نَذِيرٌ

(ابھی) قریب ہے کہ

جب ، غصے کے مارے پھٹ جائے

کبھی اس میں کوئی گروہ ڈالا جائے

گا اس سے جہنم کے داروغے پوچھیں

گے کہ کیا تمہارے پاس ڈرانے والا

کوئی نہیں آیا تھا؟

It almost bursts up with fury. Every time a group is cast therein, its keeper will ask: "Did no warner come to you?"

যেন ক্রোধে ফেটে পড়ছে। যখনই কোনো একদলকে ওতে নিক্ষেপ করা হবে তার রক্ষীরা তাদের জিজ্ঞাসা করবে -- "তোমাদের কাছে কি কোনো সতর্ককারী আসেন নি?"

火獄幾乎為憤怒而破碎，每有一群人被投入其中，管火獄的天神們就對他們說：「難道沒有任何警告者降臨你們嗎？」

बल्कि गोया मारे जोश के फट पड़ेगी जब उसमें (उनका) कोई गिरोह डाला जाएगा तो उनसे दारोग़ाए जहन्नुम पूछेगा क्या तुम्हारे पास कोई डराने वाला पैग़म्बर नहीं आया था

/67/8

❁○❁○❁

Al-Mulk (67:9)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

قَالُواْ بَلَىٰ قَدْ جَآءَنَا نَذِيرٌ فَكَذَّبْنَا وَقُلْنَا مَا نَزَّلَ ٱللَّهُ مِن شَىْءٍ إِنْ أَنتُمْ إِلَّا فِى ضَلَٰلٍ كَبِيرٍ

وہ جواب دیں گے کہ بیشک آیا تھا لیکن ہم نے اسے جھٹلایا اور ہم نے کہا کہ اللّٰہ تعالیٰ نےکچھ بھی نازل نہیں فرمایا۔ تم بہت بڑی گمراہی میں ہی ہو

They will say: "Yes indeed; a warner did come to us, but we belied him and said: 'Allah ﷻ never sent down anything (of revelation), you are only in great error.'"

তারা বলবে -- 'হাঁ, আমাদের কাছে সতর্ককারী ইতিপূর্বে এসে গেছেন, আমরা কিন্তু অস্বীকার করেছিলাম ও বলেছিলাম -- 'আল্লাহ ﷻ কোনো-কিছু অবতারণ করেন নি, তোমরা রয়েছ বিরাট পথভ্রান্তিতে বৈ তো নও'।"

他們說：「不然！警告者確已降臨我們了，但我們否認他們，我們說：『真主沒有降示甚麼，你們只在重大的迷誤中。』」

वह कहेंगे हॉ हमारे पास डराने वाला तो ज़रूर आया था मगर हमने उसको झुठला दिया और कहा कि الله ﷻ ख़ुदा ने तो कुछ नाज़िल ही नहीं किया तुम तो बड़ी (गहरी) गुमराही में (पड़े) हो

9/67/

Al-Mulk (67:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالُواْ لَوْ كُنَّا نَسْمَعُ أَوْ نَعْقِلُ مَا كُنَّا فِيٓ

أَصۡحَٰبِ ٱلسَّعِيرِ

اور کہیں گے اگر ہم سنتے ہوتے یا
عقل رکھتے ہوتے تو دوزخیوں میں
نہ ہوتے(شریک)

And they will say: "Had we but listened or used our intelligence, we would not have been among the dwellers of the blazing Fire!"

আর তারা বলবে -- "আমরা যদি শুনতাম অথবা বুদ্ধি প্রয়োগ করতাম তাহলে আমরা জ্বলন্ত আগুনের বাসিন্দাদের মধ্যে হতাম না।"

他們說：「假若我們能聽從，或能明理，我們必不致淪於火獄的居民之列！」

और (ये भी) कहेंगे कि अगर (उनकी बात) सुनते या समझते तब तो (आज) दोज़ख़ियों में न होते

/67/10؟

❀◯❀◯❀

Al-Mulk (67:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَٱعْتَرَفُوا۟ بِذَنۢبِهِمْ فَسُحْقًا لِّأَصْحَٰبِ ٱلسَّعِيرِ

پس انہوں نے اپنے جرم کا اقبال کر
(دور ہوں) لیا۔ اب یہ دوزخی دفع ہوں

Then they will confess their sin. So, away with the dwellers of the blazing Fire.

সুতরাং তারা তাদের অপরাধ স্বীকার করবে, ফলে জ্বলন্ত আগুনের বাসিন্দাদের জন্য -- 'দূর হ/'

他們承認他們的罪過。讓火獄的居民遠離真主的慈恩！

ग़रज़ वह अपने गुनाह का इक़रार कर लेंगे तो दोज़ख़ियों को ख़ुदा की रहमत से दूरी है
/67/11

Al-Mulk (67:12)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱلَّذِينَ يَخْشَوْنَ رَبَّهُم بِٱلْغَيْبِ لَهُم مَّغْفِرَةٌ وَأَجْرٌ كَبِيرٌ

بیشک جو لوگ اپنے پروردگار
سےغائبانہ طور پر ڈرتے رہتے ہیں ان
کے لیے بخشش ہے اور بڑا ثواب ہے

Verily! Those who fear their Lord ﷻ unseen (i.e. they do not see Him ﷻ, nor His ﷻ Punishment in the Hereafter, etc.), theirs will be forgiveness and a great reward (i.e. Paradise).

নিঃসন্দেহ যারা তাদের প্রভুকে ভয় করে গোপনে তাদের জন্য রয়েছে পরিত্রাণ ও বিরাট প্রতিদান।

在秘密中畏懼主的人們，將蒙赦宥和重大的報酬。

बेशक जो लोग अपने परवरदिगार से बेदेखे भाले डरते हैं उनके लिए मग़फेरत और बड़ा भारी अज्र है

r/67/12

Al-Mulk (67:13)

وَأَسِرُّواْ قَوْلَكُمْ أَوِ ٱجْهَرُواْ بِهِۦٓ إِنَّهُۥ عَلِيمٌۢ بِذَاتِ ٱلصُّدُورِ

تم اپنی باتوں کو چھپاؤ یا ظاہر کرو وہ تو سینوں کی پوشیدگی کو بھی بخوبی جانتا ہے

And whether you keep your talk secret or disclose it, verily, Heﷲ ﷻ is the All-Knower of what is in the breasts (of men).

অথচ তোমাদের কথাবার্তা তোমরা গোপন কর অথবা তা প্রকাশই কর। নিঃসন্দেহ তিনিﷲ ﷻ বুকের ভেতরের বিষয় সম্বন্ধেও সর্বজ্ঞাতা।

你們可以隱匿你們的言語；也可以把它說出來。他確是全知心事的。

और तुम अपनी बात छिपकर कहो या खुल्लम खुल्ला वहﷲ ﷻ तो दिल के भेदों तक से ख़ूब वाक़िफ़ है

/67/13

Al-Mulk (67:14)

أَلَا يَعۡلَمُ مَنۡ خَلَقَ وَهُوَ ٱللَّطِيفُ ٱلۡخَبِيرُ

کیا وہی نہ جانے جس نے پیدا کیا؟

پھر وہ باریک بین اور باخبر بھی ہو

Should not He اللهﷻ Who has created know? And Heﷻ الله is the Most Kind and Courteous (to His ﷻ slaves) All-Aware (of everything).

যিনি সৃষ্টি করেছেন তিনি ﷻকি জানেন না? আর তিনিﷻ গুপ্ত বিষয়ে জ্ঞাতা, পূর্ণ-ওয়াকিফহাল।

創造者既是玄妙而且徹知的，難道他不知道你們所隱匿的言語嗎?

भला जिसﷻने بنایا ~~पैदा किया~~ वह तो बेख़बर और वहﷻ तो बड़ा बारीकबीन वाक़िफ़कार है

r/67/14

Al-Mulk (67:15)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

هُوَ ٱلَّذِي جَعَلَ لَكُمُ ٱلْأَرْضَ ذَلُولًا فَٱمْشُوا۟

فِي مَنَاكِبِهَا وَكُلُواْ مِن رِّزْقِهِۦ وَإِلَيْهِ ٱلنُّشُورُ

وہ ذات جس نے تمہارے لیے زمین کو پست ومطیع کردیا تاکہ تم اس کی راہوں میں چلتے پھرتے رہو اور اللّٰہ اسی کی طرف (پیو) کی روزیاں کھاؤ جی کر اٹھ کھڑا ہونا ہے(تمہیں)

He ﷻ it is, Who has made the earth subservient to you (i.e. easy for you to walk, to live and to do agriculture on it, etc.), so walk in the path thereof and eat of His provision, and to Him will be the Resurrection.

তিনিইﷻ সেইজন যিনি পৃথিবীটাকে তোমাদের জন্য করে দিয়েছেন শান্ত, ফলে তোমরা এর দিগদিগন্তে বিচরণ করছ এবং তার জীবিকা থেকে

আহার করছ। আর তাঁরই কাছে পুনরুত্থান।

他為你們而使大地平穩，你們應當在大地的各方行走，應當吃他的給養，你們復活後，只歸於他。

वही ﷻاللهतो है जिसने ज़मीन को तुम्हारे लिए नरम (व हमवार) कर दिया तो उसके अतराफ़ व जवानिब में चलो फिरो और उसकी (दी हुई) रोज़ी खाओ r/67/15

Al-Mulk (67:16)

ءَأَمِنتُم مَّن فِي ٱلسَّمَآءِ أَن يَخۡسِفَ بِكُمُ ٱلۡأَرۡضَ فَإِذَا هِيَ تَمُورُ

کیا تم اس بات سے بے خوف ہوگئے ہو کہ آسمانوں والا تمہیں زمین میں دھنسا دے اور اچانک زمین لرزنے لگے

Do you feel secure that He ﷻ, Who is over the heaven (Allah ﷻ), will not cause the earth to sink with you, then behold it shakes (as in an earthquake)?

কী/ যিনি উর্ধ্বলোকে রয়েছেন তাঁর কাছ থেকে কি তোমরা নিরাপত্তা গ্রহণ করেছ যে তিনি পৃথিবীকে দিয়ে তোমাদের গ্রাস করাবেন না, যখন আলবৎ তা আন্দোলিত হবে?

難道你們不怕在天上的主使大地在震蕩的時候吞咽你們嗎?

और फिर उसीاللهﷻ की तरफ क़ब्र से उठ कर जाना है क्या तुम उसاللهﷻ ~~शख्श~~ से जो आसमान में (हुकूमत करता है) इस बात से बेख़ौफ़ हो कि तुमको ज़मीन में धँसा दे फिर वह एकबारगी उलट पुलट करने लगे

/67/16

Al-Mulk (67:17)

أَمْ أَمِنتُم مَّن فِي ٱلسَّمَآءِ أَن يُرْسِلَ عَلَيْكُمْ حَاصِبًا فَسَتَعْلَمُونَ كَيْفَ نَذِيرِ

یا کیا تم اس بات سے نڈر ہوگئے ہو
کہ آسمانوں والا تم پر پتھر برسادے؟
پھر تو تمہیں معلوم ہو ہی جائے گا
کہ میرا ڈرانا کیسا تھا

Or do you feel secure that He ﷻ, Who is over the heaven (Allah ﷻ), will not send against you a violent whirlwind? Then you shall know how (terrible) has been My Warning?

অথবা যিনি উর্ধ্বলোকে রয়েছেন তাঁর কাছ থেকে কি তোমরা নিরাপত্তা গ্রহণ করেছ পাছে তিনি ﷻ তোমাদের উপরে পাঠিয়ে দেন এক কংকরময়

ঘূর্ণিঝড়? ফলে তোমরা শীঘ্রই জানতে পারবে কেমন ছিল আমার সতর্কবাণী!

難道你們不怕在天上的主使飛沙走石的暴風摧毀你們嗎？你們將知道我的警告是怎樣的。

या तुम इस बात से बेख़ौफ हो कि जो आसमान में (सल्तनत करताﷻ) है कि तुम पर पत्थर भरी आँधी चलाए तो तुम्हें अनक़रीब ही मालूम हो जाएगा कि मेरा डराना कैसा है

Al-Mulk (67:18)

وَلَقَدْ كَذَّبَ ٱلَّذِينَ مِن قَبْلِهِمْ فَكَيْفَ كَانَ نَكِيرِ

اوران سے پہلے لوگوں نے بھی جھٹلایا تھا تو دیکھو ان پر میرا عذاب کیسا

کچھ ہوا؟

And indeed those before them belied (the Messengers of Allah ﷻ), then how terrible was My denial (punishment)?

আর এদের আগে যারা ছিল তারাও প্রত্যাখ্যান করেছিল, তখন কেমন হয়েছিল আমার অসন্তোষ/

在他們之前逝去的人們，確已否認眾使者，我的譴責是怎樣的?

और जो लोग उनसे पहले थे उन्होने झुठलाया था तो (देखो) कि मेरी नाख़ुशी कैसी थी

/67/18

❀◯❀◯❀

Al-Mulk (67:19)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَوَلَمْ يَرَوْا۟ إِلَى ٱلطَّيْرِ فَوْقَهُمْ صَٰٓفَّٰتٍ

وَيَقْبِضْنَ مَا يُمْسِكُهُنَّ إِلَّا ٱلرَّحْمَٰنُ إِنَّهُۥ

بِكُلِّ شَيْءٍۢ بَصِيرٌ

کیا یہ اپنے اوپر پر کھولے ہوئے اور (اڑنے والے) سمیٹے ہوئے(کبھی کبھی) (اللّٰہ) انہیں،پرندوں کو نہیں دیکھتے تھامے ہوئے (ہوا وفضا میں) رحمٰن ہی ہے۔ بیشک ہر چیز اس کی نگاہ میں ہ

ے

Do they not see the birds above them, spreading out their wings and folding them in? None upholds them except the Most Beneficent (Allahﷻ). Verily, He is the All-Seer of everything.

তারা কি দেখে নি তাদের উপরে পাখিদের ছড়ানো ও গুটানো? তাদের পরম করুণাময়ﷻ ছাড়া কেউ ধরে রাখেন না। নিঃসন্দেহ তিনিই সর্ববিষয়ে সম্যক

দ্রষ্টা।

難道他們沒有看見在他們的上面展翅和斂翼的眾鳥嗎？只有至仁主維持它們，他確是明察萬物的。

क्या उन लोगों ने अपने सरों पर चिड़ियों को उड़ते नहीं देखा जो परों को फैलाए रहती हैं और समेट लेती हैं कि ~~ख़ुदा~~ الله ﷻके सिवा उन्हें कोई रोके नहीं रह सकता बेशक वह हर चीज़ को देख रहा है

/67/19

Al-Mulk (67:20)

أَمَّنۡ هَٰذَا ٱلَّذِي هُوَ جُندٞ لَّكُمۡ يَنصُرُكُم مِّن دُونِ ٱلرَّحۡمَٰنِۚ إِنِ ٱلۡكَٰفِرُونَ إِلَّا فِي غُرُورٍ

سوائے اللہ کے تمہارا وہ کون سا لشکر ہے جو تمہاری مدد کرسکے کافر تو سراسر دھوکے ہی میں ہیں

Who is he besides the Most Beneficent ﷻ that can be an army to you to help you? The disbelievers are in nothing but delusion.

আচ্ছা, পরম করুণাময়কেﷻ বাদ দিয়ে কে সেইটি -- যে হবে তোমাদের জন্য সেনাবাহিনী যে তোমাদের সাহায্য করবে? অবিশ্বাসীরা তো বিভ্রান্তিতে থাকা ছাড়া আর কোথাও নয়।

除了真主援助你們外，還有誰能做你們的援軍呢？你們只陷於自欺之中。

भला ~~ख़ुदा~~ اللهﷻके सिवा ऐसा कौन है जो तुम्हारी फ़ौज बनकर तुम्हारी मदद करे काफ़िर लोग तो धोखे ही (धोखे) में हैं भला

/67/20

❁◯❁◯❁

Al-Mulk (67:21)

أَمَّنْ هَٰذَا ٱلَّذِى يَرْزُقُكُمْ إِنْ أَمْسَكَ رِزْقَهُۥ بَل لَّجُّوا۟ فِى عُتُوٍّ وَنُفُورٍ

اگر اللّٰہ تعالیٰ اپنی روزی روک لے تو بتاؤ کون ہے جو پھر تمہیں روزی دے گا؟ بلکہ (کافر) تو سرکشی اور بدکنے پر اڑگئے ہیں

Who is he that can provide for you if He should withhold His ﷻ provision? Nay, but they continue to be in pride, and (they) flee (from the truth).

অথবা কে সে যে তোমাদের জীবিকা দেবে যদি তিনিﷻ তাঁর রিযেক বন্ধ করে দেন? বস্তুত তারা

অবাধ্যতায় ও বিতৃষ্ণায় অনড় রয়েছে।

誰能供給你們呢？如果至仁主扣留他的給養。不然，他們固執著驕傲和勃逆。

~~खुदा~~ ﷲﷻअगर अपनी (दी हुई) रोज़ी रोक ले तो कौन ऐसा है जो तुम्हें रिज़क़ दे

/67/21

❀◯❀◯❀

Al-Mulk (67:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَفَمَن يَمْشِي مُكِبًّا عَلَىٰ وَجْهِهِۦٓ أَهْدَىٰٓ أَمَّن يَمْشِي سَوِيًّا عَلَىٰ صِرَٰطٍ مُّسْتَقِيمٍ

اچھا وہ شخص زیادہ ہدایت والا ہے جو اپنے منھ کے بل اوندھا ہو کر (پیروں کے بل) چلے یا وہ جو سیدھا

راہ راست پر چلا ہو؟

Is he who walks without seeing on his face, more rightly guided, or he who (sees and) walks on a Straight Way (i.e. Islamic Monotheism).

আচ্ছা, যে তার মুখের উপরে থুবড়ে থুবড়ে চলে সে কি তবে বেশি সৎপথে চালিত, না সেইজন যে সোজা হয়ে চলে শুদ্ধ-সঠিক পথে?

究竟誰更能獲得引導呢? 是匍匐而行的人呢? 還是在正路上挺身而行的人呢?

मगर ये कुफ्फ़ार तो सरकशी और नफ़रत (के भँवर) में फँसे हुए हैं भला जो शख़्श औंधे मुँह के बाल चले वह ज्यादा हिदायत याफ्ता होगा

(67/22

قُلْ هُوَ ٱلَّذِىٓ أَنشَأَكُمْ وَجَعَلَ لَكُمُ ٱلسَّمْعَ وَٱلْأَبْصَٰرَ وَٱلْأَفْـِٔدَةَ قَلِيلًا مَّا تَشْكُرُونَ

کہہ دیجئے کہ وہی (اللّٰہ) ہے جس نے تمہیں پیدا کیا اور تمہارے کان آنکھیں اور دل بنائے تم بہت ہی کم شکر گزاری کرتے ہو

Say it is He ﷻ Who has created you, and endowed you with hearing (ears), seeing (eyes), and hearts. Little thanks you give.

বলো -- 'তিনিইﷻ সেইজন যিনি তোমাদের বিকশিত করেছেন, আর তোমাদের জন্য বানিয়ে দিয়েছেন শ্রবণশক্তি ও দৃষ্টিশক্তি ও অন্তঃকরণ। তোমরা যা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ কর সে তো যৎসামান্য!"

你說：「他是創造你們，並為你們創造耳、目和心的。你們卻很少感謝。」

और तुम्हारे वास्ते कान और आँख और दिल बनाए (मगर) तुम तो बहुत कम शुक्र अदा करते हो

/67/23

❀◯❀◯❀

Al-Mulk (67:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ هُوَ ٱلَّذِى ذَرَأَكُمْ فِى ٱلْأَرْضِ وَإِلَيْهِ تُحْشَرُونَ

کہہ دیجئے!

کہ وہی ہے جس نے تمہیں زمین میں پھیلا دیا اور اس کی طرف سے تم اکٹھے کیے جاؤ گے

Say: "It is He Who has created you from the earth, and to Him shall you be gathered (in the Hereafter)."

তুমি বলে যাও -- 'তিনিই সেইজন যিনি পৃথিবীতে তোমাদের ছড়িয়ে দিয়েছেন, আর তাঁরই কাছে তোমাদের একত্রিত করা হবে।"

你說：「他是使你們繁殖於大地上的，你們將來要被集合到他那裡。」

कह दो कि वही तो है जिसने तुमको ज़मीन में फैला दिया और उसी के सामने जमा किए जाओगे

/67/24

❀◯❀◯❀

Al-Mulk (67:25)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَقُولُونَ مَتَىٰ هَٰذَا ٱلْوَعْدُ إِن كُنتُمْ

صَٰدِقِينَ

(کافر) پوچھتے ہیں کہ وہ وعدہ کب (ظاہر) ہوگا اگر تم سچے ہو (تو بتاؤ؟

They say: "When will this promise (i.e. the Day of Resurrection) come to pass? if you are telling the truth."

আর তারা বলে -- "কখন এই ওয়াদা হবে? যদি তোমরা সত্যবাদী হও।"

他們說：「這個警告甚麼時候實現呢？如果你們是誠實的人。」

और कुफ्फ़ार कहते हैं कि अगर तुम सच्चे हो तो (आख़िर) ये वायदा कब (पूरा) होगा

r/67/25

Al-Mulk (67:26)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

قُلْ إِنَّمَا ٱلْعِلْمُ عِندَ ٱللَّهِ وَإِنَّمَآ أَنَا۠ نَذِيرٌ
مُّبِينٌ

آپ کہہ دیجئے کہ اس کا علم تو اللہ
میں تو صرف کھلے طور ،ہی کو ہے
پر آگاہ کر دینے والا ہوں

Say (O Muhammad SAW): "The knowledge (of its exact time) is with Allah ﷻ { only, and I am only a plain warner."

তুমি বলো -- "জ্ঞান কেবল আল্লাহ্‌ﷻরই কাছে আছে, আর আমি নিঃসন্দেহ একজন স্পষ্ট সতর্ককারী মাত্র।"

你說：「關於此事的知識，只在主那裡，我只是一個坦率的警告者。」

(ऐ रसूल) तुम कह दो कि (इसका) इल्म तो बस खुदा ﷻ ही को है और मैं तो सिर्फ साफ़ साफ़ (अज़ाब से) डराने वाला हूँ
/67/26

❁◯❁◯❁
Al-Mulk (67:27)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

فَلَمَّا رَأَوْهُ زُلْفَةً سِيٓـَٔتْ وُجُوهُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ وَقِيلَ هَٰذَا ٱلَّذِى كُنتُم بِهِۦ تَدَّعُونَ

جب یہ لوگ اس وعدے کو قریب تر پالیں گے اس وقت ان کافروں کے چہرے بگڑ جائیں گے اور کہہ دیا جائے گا کہ یہی ہے جسے تم طلب کیا کرتے تھے

But when they will see it (the torment on the Day of Resurrection) approaching, the faces of those who disbelieve will be different (black, sad, and in grieve), and it will be said (to them): "This is (the promise) which you were calling for!"

তারপর তারা যখন এটি আসন্ন দেখতে পাবে তখন যারা অবিশ্বাস করেছিল তাদের চেহারা হবে মলিন, আর বলা হবে -- "এটিই তাই যা তোমরা ডেকে আনছিলে।"

當他們看見這應許臨近的時候，不信的人們的面目將變成黑的！或者將說：「這就是你們生前妄言不會實現的事。」

तो जब ये लोग उसे करीब से देख लेंगे (ख़ौफ के मारे) काफिरों के चेहरे बिगड़ जाएँगे और उनसे कहा जाएगा ये वही है जिसके तुम ख़वास्तग़ार थे

/67/27

❀◯❀◯❀

Al-Mulk (67:28)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

قُلْ أَرَءَيْتُمْ إِنْ أَهْلَكَنِيَ ٱللَّهُ وَمَن مَّعِيَ أَوْ رَحِمَنَا فَمَن يُجِيرُ ٱلْكَٰفِرِينَ مِنْ عَذَابٍ أَلِيمٍ

آپ کہہ دیجئے

اچھا اگر مجھے اور میرے ساتھیوں کو اللہ تعالیٰ ہلاک کردے یا ہم پر (بہر صورت یہ تو بتاؤ) رحم کرے کہ کافروں کو دردناک عذاب سے کون بچائے گا؟

Say (O Muhammad SAW): "Tell me! If Allah ﷻ destroys me, and those with me, or He ﷻ

bestows His ﷻ Mercy on us, – who can save the disbelievers from a painful torment?"

তুমি বলো -- "তোমরা কি ভেবে দেখেছ, -- যদি আল্লাহ ﷻ আমাকে ও যারা আমার সঙ্গে রয়েছে তাদের ﷻ ধ্বংস করেন অথবা আমাদের প্রতি করুণা করেন, কিন্তু কে অবিশ্বাসীদের রক্ষা করবে মর্মন্তুদ শাস্তি থেকে?"

你說：「你們告訴我吧，如果真主毀滅我，和我的同道，或憐憫我們，那末，誰使不信道的人們得免於痛苦的刑罰呢？」

(ऐ रसूल ﷺ) तुम कह दो भला देखो तो कि अगर الله ﷻ ~~ख़ुदा~~ मुझको और मेरे साथियों को हलाक कर दे या हम पर रहम फरमाए तो काफ़िरों को दर्दनाक अज़ाब से कौन पनाह देगा

28/67/

Al-Mulk (67:29)

قُلْ هُوَ ٱلرَّحْمَٰنُ ءَامَنَّا بِهِۦ وَعَلَيْهِ تَوَكَّلْنَا فَسَتَعْلَمُونَ مَنْ هُوَ فِى ضَلَٰلٍ مُّبِينٍ

آپ کہہ دیجئے/ ہم کہ وہی رحمٰن ہے تو اس پر ایمان لاچکے اور اسی پر ہمارا بھروسہ ہے۔ تمہیں عنقریب معلوم ہو جائے گا کہ صریح گمراہی میں کون ہے؟

Say: "He ﷻ is the Most Beneficent (Allah ﷻ), in Him ﷻ we believe, and in Him ﷻ we put our trust. So you will come to know who is it that is in manifest error."

বলো -- 'তিনিﷻ পরম করুণাময়, আমরা তাঁতে ঈমান এনেছি এবং তাঁরইﷻ উপরে আমরা আস্থা রেখেছি, সুতরাং অচিরেই তোমরা জানতে পারবে কে সেইজন যে স্পষ্ট বিভ্রান্তিতে রয়েছে।"

你說：「他是至仁主，我們已信仰他，我們只信賴他。你們將知道誰在明顯的迷誤中。」

तुम कह दो कि वहीﷲﷻ (ख़ुदा) बड़ा रहम करने वाला है जिस पर हम ईमान लाए हैं और हमने तो उसीﷻ पर भरोसा कर लिया है तो अनक़रीब ही तुम्हें मालूम हो जाएगा कि कौन सरीही गुमराही में (पड़ा) है /67/29

Al-Mulk (67:30)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

قُلْ أَرَءَيْتُمْ إِنْ أَصْبَحَ مَآؤُكُمْ غَوْرًا فَمَن يَأْتِيكُم بِمَآءٍ مَّعِينٍۭ

کہ اچھا یہ تو بتاؤ /آپ کہہ دیجئے

پانی زمین (پینے کا) کہ اگر تمہارے

میں اتر جائے تو کون ہے جو تمہارے

لیے نتھرا ہوا پانی لائے؟

Say (O Muhammad SAW): "Tell me! If (all) your water were to be sunk away, who then can supply you with flowing (spring) water?"

বলে যাও -- "তোমরা কি ভেবে দেখেছ -- যদি তোমাদের পানি সাত-সকালে ভূগর্ভে চলে যায়, তাহলে কে তোমাদের জন্য নিয়ে আসবে প্রবহমান পানি?"

你說：「你們告訴我吧，如果你們的水一旦滲漏了，誰能給你們一條流水呢？」

ऐ रसूलﷺ तुम कह दो कि भला देखो तो कि अगर तुम्हारा पानी ज़मीन के अन्दर चला जाए कौन ऐसा है जो तुम्हारे लिए पानी का चश्मा बहा लाए

r/67/30

Al-Hadid (57:16)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

أَلَمْ يَأْنِ لِلَّذِينَ ءَامَنُوٓاْ أَن تَخْشَعَ قُلُوبُهُمْ لِذِكْرِ ٱللَّهِ وَمَا نَزَلَ مِنَ ٱلْحَقِّ وَلَا يَكُونُواْ كَٱلَّذِينَ أُوتُواْ ٱلْكِتَٰبَ مِن قَبْلُ فَطَالَ عَلَيْهِمُ ٱلْأَمَدُ فَقَسَتْ قُلُوبُهُمْ وَكَثِيرٌ مِّنْهُمْ فَٰسِقُونَ

❀◯❀◯❀

❀◯❀◯❀

❀◯❀◯❀

کیا اب تک ایمان والوں کے لیے وقت نہیں آیا کہ ان کے دل ذکر الٰہی سے اور جو حق اتر چکا ہے اس سے نرم ہو جائیں اور ان کی طرح نہ ہو جائیں جنہیں ان سے پہلے کتاب دی گئی تھی پھر جب ان پر ایک زمانہ

دراز گزر گیا تو ان کے دل سخت ہو گئے اور ان میں بہت سے فاسق ہیں

Has not the time come for the hearts of those who believe (in the Oneness of Allah ﷻ - Islamic Monotheism) to be affected by Allah's Reminder (this Quran), and that which has been revealed of the truth, lest they become as those who received the Scripture [the Taurat (Torah) and the Injeel (Gospel)] before (i.e. Jews and Christians), and the term was prolonged for them and so their hearts were hardened? And many of them were Fasiqun (rebellious, disobedient to Allah ﷻ).

এখনও কি সময় হয় নি তাদের জন্য যে যারা বিশ্বাস করে তাদের হৃদয় বিনত হবে আল্লাহ্ﷻর স্মরণে এবং সত্যের যা অবতীর্ণ হয়েছে? আর তারা ওদের মতো না হোক যাদের পূর্ববর্তীকালে গ্রন্থ দেওয়া হয়েছিল, কিন্ত সময় তাদের জন্য সুদীর্ঘ মনে হয়েছিল,

ফলে তাদের হৃদয় কঠিন হয়ে পড়েছিল। আর তাদের মধ্যের অনেকেই হয়েছিল সত্যত্যাগী।

क्या ईमानदारों के लिए अभी तक इसका वक्त नहीं आया कि اللهﷻ ~~ख़ुदा~~ की याद और क़ुरान के लिए जो (~~ख़ुदा~~ اللهﷻकी तरफ से) नाज़िल हुआ है उनके दिल नरम हों और वह उन लोगों के से न हो जाएँ जिनको उन से पहले किताब (तौरेत, इन्जील) दी गयी थी तो (जब) एक ज़माना दराज़ गुज़र गया तो उनके दिल सख्त हो गए और इनमें से बहुतेरे बदकार हैं

/57/16

Hud (11:88)

قَالَ يَٰقَوْمِ أَرَءَيْتُمْ إِن كُنتُ عَلَىٰ بَيِّنَةٍ مِّن رَّبِّى وَرَزَقَنِى مِنْهُ رِزْقًا حَسَنًا وَمَآ أُرِيدُ أَنْ أُخَالِفَكُمْ إِلَىٰ مَآ أَنْهَىٰكُمْ عَنْهُ إِنْ

أُرِيدُ إِلَّا ٱلْإِصْلَٰحَ مَا ٱسْتَطَعْتُ وَمَا
تَوْفِيقِيٓ إِلَّا بِٱللَّهِ عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ وَإِلَيْهِ
أُنِيبُ

शुएब ﷺ ने कहा

کہا اے میری قوم! دیکھو تو اگر میں
اپنے رب کی طرف سے روشن دلیل
لئے ہوئے ہوں اور اس نے مجھے اپنے
پاس سے بہترین روزی دے رکھی ہے،
میرا یہ ارادہ بالکل نہیں کہ تمہارا خلا
ف کر کے خود اس چیز کی طرف
جھک جاؤں جس سے تمہیں روک رہا
ہوں، میرا ارادہ تو اپنی طاقت بھر
اصلاح کرنے کا ہی ہے۔ میری توفیق
اللّٰہ ہی کی مدد سے ہے، اسی پر میرا
بھروسہ ہے اور اسی کی طرف میں

رجوع کرتا ہوں

He शुएबﷺ ने कहा said: "O my people! Tell me, if I have a clear evidence from my Lordﷻ, and Heﷻ has given me a good sustenance from Himselfﷻ (shall I corrupt it by mixing it with the unlawfully earned money). I wish not, in contradiction to you, to do that which I forbid you. I only desire reform so far as I am able, to the best of my power. And my guidance cannot come except from Allahﷻ, in Himﷻ I trust and unto Himﷻ I repent.

शुएबﷺ ने कहा

তিনি বললেন -- "হে আমার সম্প্রদায়! তোমরা ভেবে দেখো -- আমি যদি আমার প্রভুরﷻ কাছ থেকে স্পষ্ট দলিল-প্রমাণে প্রতিষ্ঠিত থাকি এবং তিনি যদি তাঁর কাছ থেকে উত্তম জীবনোপকরণ দিয়ে আমাকে জীবিকা দান করেন? আর আমি চাই না যে তোমাদের বিপরীতে আমি সেই আচরণ করি যা করতে

আমি তোমাদের নিষেধ করে থাকি। আমি শুধু চাই সংস্কার করতে যতটা আমি সাধ্যমত পারি। আর আমার কার্যসাধন আল্লাহ্ﷻর সাহায্যে বৈ নয়। আমি তাঁরইﷻ উপরে নির্ভর করি আর তাঁরইﷻ দিকে আমি ফিরি।

<u>शुएबﷺ ने कहा</u> ऐ मेरी क़ौम अगर मै अपने اللهﷻ~~परवरदिगार~~ ﷻकी तरफ से रौशन दलील पर हूँ और उसने मुझे (हलाल) रोज़ी खाने को दी है (तो मै भी तुम्हारी तरह हराम खाने लगूँ) और मै तो ये नहीं चाहता कि जिस काम से तुम को रोकूँ तुम्हारे बर ख़िलाफ (बदले) आप उसको करने लगूं मैं तो जहाँ तक मुझे बन पड़े इसलाह (भलाई) के सिवा (कुछ और) चाहता ही नहीं और मेरी ताईद तो اللهﷻ~~ख़ुदा~~ ﷻके सिवा और किसी से हो ही नहीं सकती इसﷻ पर मैने भरोसा कर लिया है और उसीﷻ की तरफ रुज़ू करता हूँ

/11/88

Al-Burooj (85:10)

إِنَّ ٱلَّذِينَ فَتَنُواْ ٱلۡمُؤۡمِنِينَ وَٱلۡمُؤۡمِنَٰتِ ثُمَّ
لَمۡ يَتُوبُواْ فَلَهُمۡ عَذَابُ جَهَنَّمَ وَلَهُمۡ
عَذَابُ ٱلۡحَرِيقِ

بیشک جن لوگوں نے مسلمان مردوں
(اور عورتوں کو ستایا پھر توبہ (بھی
نہ کی تو ان کے لئے جہنم کا عذاب
ہے اور جلنے کا عذاب ہے

Verily, those who put into trial the believing men and believing women (by torturing them and burning them), and then do not turn in repentance, (to Allahﷻ), will have the torment of Hell, and they will have the punishment of the burning Fire.

নিঃসন্দেহে যারা মুমিন পুরুষ ওমুমিন নারীদের নির্যাতন করে এবং তারপরে ফেরে না, তাদের জন্য তবে রয়েছে জাহান্নামের শাস্তি, আর তাদের জন্য আছে দহন যন্ত্রণা।

बेशक जिन लोगों ने ईमानदार मर्दों और औरतों को तकलीफें दीं फिर तौबा न की उनके लिए जहन्नुम का अज़ाब तो है ही (इसके अलावा) जलने का भी अज़ाब होगा /85/10

❁◯❁◯❁

·{✿}· ╰❀╮ ❖ ╭★╯ ·{✿}· ╰❀╮ ❖ ╭★अल्लाहू से खौफ खा,
আল্লাহের খউফ রখ ,Be A Khaif Lillahi,ఖౌఫ్ ఖుదా, خوف کھا
مالك کا╯ ·{✿}· ╰❀╮ ❖ ╰╯ ·{✿}· ╰❀╮ ❖ ╭★
╯ ·{✿}· ╰❀╮ ·{✿}· ╭★╯ ❖·{✿}· ╰★╮ ❖ ╭❀╯ ·{✿}· ╰★
╮ ❖ ╭❀╯ ·{✿}· ╰★

╮ ❖ ╭❀╯ ·{✿}· ╰❀╮ ❖✿✶❖✶✿✶❖✶✿✶❖✶✿